राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण मंगलवार,12जनवरी 2021 वर्ष-3, अंक -344 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अब दिल्ली में भी बर्ड फ्लू की दस्तक, 8 सैंपल की हुई पुष्टि

नई दिल्ली। एवियन इन्फ्लूएंजा यानी बर्ड फ्लू अब देश के सात नहीं बल्कि आठ राज्यों में फैल चुका है। केरल, राजस्थान, मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, गुजरात और उत्तर प्रदेश के बाद अब दिल्ली में भी बर्ड फ्लू के मामलों की पुष्टि हो गई है। दिल्ली में लिए गए सैंपलों में से 8 की पुष्टि हो गई है। दिल्ली के पशुपालन विभाग ने कहा है कि मृत कौवों और बत्तखों के आठ नमूनों के परीक्षण के बाद दिल्ली में बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई है। एवियन फ्लू के लिए सभी नमूनों का परीक्षण सकारात्मक रहा। इसे देखते हुए अब सभी राज्यों ने सतर्कता बढ़ा दी है।

पशुपालन विभाग के मुताबिक, दिल्ली में बर्ड फ्लू से हुई पक्षियों की मौत में अभी तक आई 8 सैंपल पॉजिटिव मिले हैं। दिल्ली में 3 जगह की पक्षियों की रिपोर्ट पॉजिटिव है, मयूर विहार फेज 3, द्वारका सेक्टर 9, संजय झील। इन तीनों जगह के सैंपल भोपाल भेजे गए थे। हालांकि, जालंधर की रिपोर्ट अभी नहीं आयी है। संजय झील को अलर्ट जोन घोषित किया जा चुका है। वहां अब तक 27 बतख की मौत हो चुकी है। तीनों DDA के पार्क हैं और उन्हें सील कर दिया गया है।

वहीं, हरियाणा के पंचकूला जिले के दो कुक्कुट फॉर्म में एवियन इन्फ्लुएंजा (बर्ड फ्लू) के संक्रमण की पुष्टि होने के बाद राज्य सरकार ने नौ त्वरित प्रतिक्रिया दलतैनात किए हैं और दोनों ही केंद्रों पर रोकथाम का अभियान जारी है। गुजरात के सूरत जिले और राजस्थान के सिरोही जिले में कौए और वन्य पक्षियों के नमूनों में एवियन इन्फ्लुएंजा की पुष्टि हुई है।

केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण को भेजनी होगी दैनिक रिपोर्ट

केंद्र ने विभिन्न चिड़ियाघर प्रबंधनों को निर्देश दिया कि वे केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण (सीजेडए) को दैनिक रिपोर्ट भेजें और ऐसा तब तक जारी रखें जब तक कि उनके इलाके को रोगमुक्त घोषित

नहीं कर दिया जाता। पर्यावरण मंत्रालय के तहत आने वाले सीजेडए ने कार्यालयी ज्ञापन जारी कर सभी चिड़ियाघरों के प्रबंधन को निगरानी रखने और पक्षियों के दड़बों के प्रबंधन को मजबूत करने का निर्देश दिया।

हिमाचल प्रदेश में 200 से ज्यादा प्रवासी पक्षी मृत मिले

हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में रविवार को पोंग बांध वन्यजीव अभयारण्य में 215 प्रवासी पक्षी मृत पाए गए। जिससे संदिग्ध रूप से एवियन इंफ्लूएंजा से मरने वाली ऐसी चिड़ियों की संख्या बढ़कर 4,235 हो गई है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इसके अलावा नाहन, बिलासपुर और मंडी (हिमाचल प्रदेश) से भी जंगली पक्षियों की असामान्य मौत की खबरें आई हैं और नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला में भेज दिए गए हैं।

मध्य प्रदेश के 13 जिलों के नमूनों में बर्ड फ्लू की पुष्टि

मध्य प्रदेश में अब तक 13 जिलो जिला इंदौर, मंदसौर, आगर, नीमच, देवास, उज्जैन, खडवा, खरगौन, गुना, शिवपुरी, राजगढ़, शाजापुर, विदिशा में कौओं में बर्डफ्लू की पुष्टि हो चुकी है। प्रदेश के झाबुआ जिले के ग्राम मदरानी स्थित एक खेत में रविवार को पांच मोर मृत पाए गए हैं। शनिवार तक 27 जिलों से लगभग 1100 कौओं और जंगली पक्षियों की मृत्यु की सूचना प्राप्त हुई है। प्रदेश के विभिन्न जिलों से 32 सैंपल राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा रोग अनुसंधान प्रयोगशाला भोपाल को जांच हेतु प्रेषित किए गए है। मध्य प्रदेश में बर्ड फ्लू का प्रकोप कौओं के लिए सबसे ज्यादा खतरनाक साबित हो रहा है।

महाराष्ट्र के लातूर के आसपास अलर्ट जोन घोषित

महाराष्ट्र के लातूर में अहमदपुर इलाके के 10 किलोमीटर के क्षेत्र को अलर्ट जोन घोषित किया गया है। जहां पर गत दो दिन में 128 मुर्गियों सहित 180 पक्षी मृत पाए गए हैं। लातूर के जिलाधिकारी पृथ्वीराज बीपी ने रविवार को बताया कि पक्षियों की मौत की वजह का पता नहीं चला है। सभी नमूनों को पुणे जांच के लिए भेजा गया है और नतीजों का इंतजार है।

कानपुर में बर्ड फ्लू के बीच एक दर्जन पक्षी मारे गए

चिड़ियाघर में बर्ड फ्लू की दस्तक के बाद रविवार को हड़कंप मचा रहा। जू प्रशासन ने प्रभावित बाड़े के एक दर्जन पक्षी मार दिए हैं। पक्षी बाड़ों, झील के पानी, मिट्टी और बीट के सैंपल लिए गए हैं। शनिवार देर शाम भोपाल से आई पक्षियों के सैंपल की जांच रिपोर्ट में बर्ड फ्लू की पुष्टि के बाद प्रशासनिक अमला अलर्ट हो गया। तय किया गया था कि चिड़ियाघर और उसके आसपास के एक किलोमीटर के दायरे में सभी पक्षियों को मारा जाएगा।

देशभर में कोरोना टीकाकरण को लेकर पुख्ता तैयारी, राज्यों ने भी कस ली है कमर

नई दिल्ली। कोरोना के खिलाफ टीकाकरण के बारे में दो चीजें स्पष्ट हैं- देशभर में टीकाकरण 16 जनवरी से शुरू होगा और दूसरी बात यह कि टीका सबसे पहले स्वास्थ्यकर्मियों और अग्रिम पंक्ति के कर्मियों को लगेगा। लोहिड़ी, पोंगल, बिहू,मकर संक्रांति, खिचड़ी जैसे त्योहार के ठीक बाद शुरू होने वाले टीकाकरण को लेकर राज्यों ने भी पुख्ता तैयारी की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि भारत में दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान होगा। तो चलिए जानते हैं टीकाकरण को लेकर किन राज्यों की रणनीति किस प्रकार है-

दिल्ली के मुख्यमंत्री सत्येंद्र जैन ने रविवार को बताया कि राजधानी के 89 अस्पतालों को प्रथम चरण के टीकाकरण के लिए केंद्र बनाया गया है। इनमें से 36 सरकारी और 53 निजी अस्पताल हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि टीके 12-13 जनवरी तक केंद्रों पर पहुंच जाएंगे।

राजस्थान-राज्य में पहले चरण में करीब साढ़े चार लाख स्वास्थ्यकर्मियों को कोरोना टीका लगाया जाएगा। स्वास्थ्य मंत्री रघु शर्मा ने रविवार को कहा कि राज्य के सरकारी और निजी अस्पतालों के 4,36,146 स्वास्थ्यकर्मियों का आंकड़ा को-विन पर अपलोड किया गया है। प्रथम चरण का टीकाकरण 282 केंद्रों पर होगा। जयपुर और अजमेर स्थित केंद्र पर पूछताछ की सुविधा मिलेगी।

गोवा-गोवा सरकार ने कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए टीकाकरण के पहले चरण में आठ अस्पताल चिह्नित किए हैं। इनमें से 18,000 स्वास्थ्यकर्मियों को टीके लगाए जाएंगे। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। राज्य प्रतिरक्षणअधिकारी डॉ. राजेंद्र बोर्कार ने कहा कि एक दिन में इन सभी आठ प्रतिष्ठानों में 100-100 टीके लगाए जाएंगे, इसके लिए प्रत्येक दिन 800 टीकों की आवश्यकता होगी। राज्य सरकार ने पांच सरकारी अस्पताल और तीन निजी अस्पतालों को चुना है जहां स्वास्थ्यकर्मियों को टीके लगाए जाएंगे।

कोरोना वैक्सीनेशन-लो हो गया तय, बिहार के लोगों को लगेगा सीरम का टीका

14 से पहले पहुंचेगा पटना

पटना। बिहार के लोगों को पुणे की सीरम इंस्टीटयूट ऑफ इंडिया द्वारा निर्मित कोरोना टीका कोविशिल्ड लगाया जाएगा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के निर्देश पर यह निर्णय लिया गया है। देश में कोविड-19 के इलाज के लिए कोरोना वायरस के दो टीके के आपातकालीन इस्तेमाल की अनुमति ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (डीसीजीआई) ने पिछले रविवार को दी थी। इन दो टीके में कोविशील्ड और कोवैक्सीन शामिल हैं। कोविशील्ड ऑक्सफोर्ड- एस्ट्रोजेनेका का भारतीय संस्करण है, जबकि कोवैक्सीन पूरी तरह भारत की अपनी वैक्सीन है। इनमें सीरम इंस्टीटयूट ऑफ इंडिया, पुणे द्वारा कोविड-19 के टीके 'कोविशील्ड' का निर्माण किया गया है। कंपनी की ओर से देश में जनवरी में 10 करोड़ डोज तैयार कर लिए जाने का दावा किया है। वहीं, कोवैक्सीन को भारत बायोटेक कंपनी इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) के साथ मिलकर बना रही है। स्वास्थ्य विभाग के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि सीरम इंस्टीटयूट, पुणे द्वारा निर्मित टीके ही बिहार में लोगों को कोरोना महामारी से बचाव करेंगे।

14 जनवरी के पहले पुणे से सीधे पटना आएगा टीका-राज्य स्वास्थ्य समिति के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार 14 जनवरी के पूर्व महाराष्ट्र के पुणे स्थित सीरम इंस्टीटयूट ऑफ इंडिया की लैब से सीधे पटना कोरोना टीका आएगा। कोरोना टीका हवाई मार्ग से पटना एयरपोर्ट पहुंचेंगे। वहां से उसे सीधे राज्य टीका औषधि भंडार में लाया जाएगा। वहां से इसे राज्य के जिलों के क्षेत्रीय टीका औषधि भंडार केंद्रों में भेजा जाएगा।

जापान को ब्राजील से आए लोगों में कोरोना वायरस का नया वेरिएंट मिला

तोक्यो। ब्रिटेन और साउथ अफ्रीका में मिले कोरोना के नए वेरिएंट को लेकर पहले से दुनिया में हाहाकार मचा हुआ है। वैज्ञानिक यह पता लगाने में जुटे हुए हैं कि क्या कोरोना के लिए बनाई गई वैक्सीन इन वेरिएंट पर असरदार होगी। यह पता लगाने में भले ही समय लगेगा लेकिन इससे पहले ही कोरोना के एक और वेरिएंट ने दुनिया में एंट्री कर ली है। कोरोना का यह नया स्वरूप जापान में मिला है। जापान के स्वास्थ्य मंत्रालय को ब्राजील से आए कुछ लोगों में कोरोना वायरस का नया स्वरूप मिला है जो ब्रिटेन और दक्षिण अफ्रीका में मिले वायरस के वेरिएंट्स से अलग है। मंत्रालय ने बताया कि एयरपोर्ट पर जांच के दौरान करीब 40 वर्षीय एक पुरूष और करीब

30 वर्षीय महिला और उसके दो बच्चों में वायरस का नया स्वरूप मिला है। वायरस के नए वेरिएंट के बारे में अधिक जानकारी पाने के लिए जापान अन्य देशों, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और अन्य चिकित्सा विशेषज्ञों के साथ मिलकर काम कर रहा है। मंत्रालय के मुताबिक, एयरपोर्ट पर पहुंचने पर पुरुष में संक्रमण का कोई लक्षण नहीं था, लेकिन बाद में सांस संबंधी दिक्कत होने पर उसे अस्पताल में भर्ती करा दिया गया। महिला को सिर में दर्द की शिकायत थी, जबकि उसके बेटे को बुखार था और बेटी में संक्रमण का कोई लक्षण नहीं था। जापान में ब्रिटेन और दक्षिण अफ्रीका में मिले कोरोना वायरस के नए स्वरूप के करीब 30 मामले सामने आए हैं। विशेषज्ञ वायरस के इस नए स्वरूपों के तेजी से फैलने को लेकर चिंता जता रहे हैं। जापान ने शुक्रवार से तोक्यो और उसके आस पास के क्षेत्रों में आपात स्थिति की घोषणा की है। इसके तहत रेस्ट्रॉन्ट और बार रात आठ बजे के बाद बंद रहेंगे। जापान में कोरोना वायरस से करीब 4 हजार लोगों की मौत हुई है और 2 लाख 80 हजार 000 से अधिक लोगों में संक्रमण की पुष्टि हुई है।

चीन से जारी तनाव के बीच मोदी सरकार पर इस बार होगा रक्षा बजट में बढ़ोतरी का भारी दबाव

नई दिल्ली। एलएसी पर कायम तनाव का असर इस बार रक्षा बजट पर भी साफ नजर आने की संभावना है। सेनाओं की तरफ से दोहरे फ्रंट के खतरों से निपटने और अगले दस सालों की तैयारियों के मद्देनजर ज्यादा बजट की जरूरत बताई गई है। इसके साथ ही पेंशन के बजट में भी बढ़ोतरी का सीधा असर भी रक्षा बजट में दिखेगा। पिछले साल के रक्षा बजट को देखें तो यह कुल 4.70 लाख करोड़ के करीब था। इसमें 1.33 करोड़ रुपए भूतपूर्व सैनिकों की पेंशन का शामिल है। जबकि आधुनिकीकरण के लिए 1.13 लाख करोड़ रखे गए थे, लेकिन तब भी रक्षा विशेषज्ञों ने भावी जरूरतों के मद्देनजर इस बजट को नाकाफी बताया था। इस साल रक्षा चुनौतियां बढ़ी हुई हैं। पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ खुले नए मोर्चे के कारण जहां तीनों सेनाओं की संचालनात्मक खर्च में भारी बढ़ोतरी हुई है, वहीं चीन और पाकिस्तान के दोनों मोर्चों पर अपनी आगे की तैयारियों को चुस्त-दुरुस्त रखने के लिए भी सेनाओं को अपने संसाधन बढ़ाने पड़ रहे हैं। इसलिए सेनाओं के संचालनात्मक बजट में भी काफी बढ़ोतरी होने लगी है। बदले रक्षा परिदृश्य में रक्षा क्षेत्र के लिए आवंटन बढ़ाना होगा। इसमें करीब एक लाख करोड़ रुपये तक की बढ़ोतरी की जरूरत का आकलन रक्षा महकमे की तरफ से किया गया है। हालांकि कोरोना के चलते सरकार के समक्ष भी आर्थिक चुनौतियां कम नहीं हैं। इसलिए सरकार को रक्षा क्षेत्र की जरूरतों और अन्य महकमों के बजट में तालमेल बिठाकर तर्कपूर्ण आवंटन करना होगा।

दस सालों की तैयारियां-सूत्रों के अनुसार तीनों सेनाएं नए साल में अगले दस सालों की कार्य योजनाओं को भी अंतिम रूप दे रही हैं। ऐसे में दस सालों की प्लानिंग की शुरुआत के लिए भी कई बड़ी परियोजनाओं पर कार्य शुरू किया जाना है।

चीन के चंगुल में फंसे नेपाल ने फिर उगला जहर, पीएम ओली ने कहा-

भारत से लेकर रहेंगे कालापानी, लिंपियाधुरा और लिपुलेख

नई दिल्ली। चीन के चंगुल में फंसा नेपाल कालापानी, लिपुलेख और लिंपियाधुरा को लेकर लगातार भारत को उकसाने की कोशिश कर रहा है। इन इलाकों को अपने नक्शे में शामिल करने के बाद भारत और नेपाल के बीच तनाव जारी है। हालांकि, सीमा गतिरोध के चलते प्रभावित हुए द्विपक्षीय संबंधों को सामान्य किए जाने के प्रयास भी जारी हैं। मगर इस बीच नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने फिर इन इलाकों का राग अलापा है। केपी शर्मा ओली ने रविवार को कहा कि वह कालापानी, लिम्पियाधुरा और लिपुलेख क्षेत्र

को भारत से वापस लेंगे। नेपाल के विदेश मंत्री के 14 जनवरी को प्रस्तावित भारत दौरे से ठीक पहले ओली ने नेशनल असेंबली (उच्च सदन) को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। रिश्तों में तनाव आने के बाद वह नेपाल से भारत आने वाले वह सबसे वरिष्ठ राजनेता होंगे। ओली ने कहा, 'सुगौली संधि के मुताबिक महाकाली नदी के पूर्वी हिस्से में स्थित कालापानी, लिम्पियाधुरा और लिपुलेख नेपाल का भाग हैं। हम भारत के साथ कूटनीतिक वार्ता के जरिए इन्हें वापस लेंगे।' प्रधानमंत्री ओली ने कहा, 'हमारे विदेश मंत्री 14 जनवरी को भारत दौरे पर जाएंगे और इस दौरान उनकी वार्ता के केंद्र में नक्शे का मुद्दा रहेगा जिसमें हमने उक्त तीनों क्षेत्रों को शामिल किया है।' बता दें कि जब नेपाल के विदेश मंत्री भारत दौर पर होंगे तो इन मुद्दों पर चर्चा जरूर होगी। गौरतलब है कि नेपाल सरकार ने पिछले साल भारतीय क्षेत्र कालापानी, लिम्पियाधुरा और लिपुलेख के अपना होने का दावा करते हुए विवादित नक्शा जारी किया था, जिसका भारत ने कड़े शब्दों ने विरोध जताया था। नेपाल सरकार ने इसके लिए संविधान में संशोधन भी किया। नेपाल के इस कदम के पीछे चीन का हाथ माना जाता है, क्योंकि केपी शर्मा ओली चीन की जिनपिंग सरकार से ज्यादा प्रभावित हैं।

नॉर्थ पोल पर उड़ान भर एयर इंडिया की महिला पायलटों ने रचा इतिहास, 16000 KM दूरी तय कर सैन फ्रांसिस्को से बेंगलुरु पहुंची फ्लाइट

बेंगलुरु। एयर इंडिया की 4 महिला पायलटों की एक टीम ने दुनिया के सबसे लंबे हवाई मार्ग नॉर्थ पोल पर उड़ान भर एक नया इतिहास रच दिया है। रविवार को अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को से उड़ान भरने के बाद महिला पायलटों की यह टीम नॉर्थ पोल से होते हुए बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंची। इस सफर के दौरान करीब 16,000 किलोमीटर की दूरी तय की गई। यह जानकारी समाचार एजेंसी एएनआई ने दी है। फ्लाइट के भारत में लैंड करते ही एयर इंडिया ने अपने ट्विटर हैंडल से स्वागत किया। एयर इंडिया ने ट्वीट कर लिखा, वेलकम होम, हमें आप सभी (महिला पायलटों) पर गर्व है। हम AI176 के यात्रियों को भी बधाई देते हैं, जो इस ऐतिहासिक सफर का हिस्सा बने। बता दें कि इस विमान को पूरी तरह से महिला पायलट ही चला रहे थे, जिनमें कैप्टन जोया अग्रवाल, कैप्टन पापागरी तनमई, कैप्टन शिवानी और कैप्टन आकांक्षा सोनवरे शामिल थीं। इस विमान को लीड कैप्टन जोया अग्रवाल कर रही थीं। बेंगलुरु एयरपोर्ट पर लैंडिंग के बाद कैप्टन जोया अग्रवाल ने कहा, आज हमने न केवल

उत्तरी ध्रुव पर उड़ान भरकर, बल्कि केवल महिला पायलटों द्वारा इसे सफलतापूर्वक करके एक विश्व इतिहास रचा है। हम इसका हिस्सा बनकर बेहद खुश और गर्व महसूस कर रहे हैं। इस मार्ग ने 10 टन ईंधन बचाया है। एयर इंडिया की सैन फ्रांसिस्को-बेंगलुरु की उद्घाटन फ्लाइट का संचालन करने वाली टीम में से एक पायलट शिवानी ने कहा कि यह एक रोमांचक अनुभव था, क्योंकि ऐसा पहले कभी नहीं हुआ था। यहां पहुंचने में लगभग 17 घंटे लग गए। बता दें कि जब यह विमान सैन फ्रांसिस्को से चला था, उसके बाद से ही इसकी हर लोकेशन की जानकारी खुद एयर इंडिया अपने ट्विटर हैंडल से समय-समय पर दे रहा था। इतना ही नहीं, सिविल एविएशन मिनिस्टर हरदीप पुरी ने भी इसे लेकर ट्वीट किया। सिविल एविएशन मिनिस्टर हरदीप पुरी ने अपने ट्वीट में लिखा, सैन फ्रांसिस्को से बेंगलुरु तक का ये ऐतिहासिक सफर महिला पायलटों की वजह से वंदे भारत मिशन को और भी खास बनाती है। मिशन ने अब तक 46.5 लाख से अधिक लोगों की अंतर्राष्ट्रीय यात्रा की सुविधा प्रदान की है। गौरतलब है कि एअर इंडिया के पायलट पहले भी ध्रुवीय मार्ग पर उड़ान भर चुके हैं, मगर ऐसा पहली बार है जब कोई महिला पायलट टीम ने उत्तरी ध्रुव पर उड़ान भरी है। एयर इंडिया के सूत्रों के मुताबिक, उड़ान संख्या एआई-176 शनिवार को सैन फ्रांसिस्को से रात 8:30 बजे (स्थानीय समयानुसार) रवाना हुई और यह सोमवार तड़के 3:45 बजे यहां पहुंची। एयर इंडिया ने ट्वीट किया, 'इसकी कल्पना कीजिए -सभी महिला कॉकपिट सदस्य- भारत आने वाली सबसे लंबी उड़ान- उत्तरी ध्रुव से गुजरना और यह सब हो रहा है! रिकॉर्ड टूट गए। एआई-176 द्वारा इतिहास रचा गया। एआई-176, तीस हजार फुट की ऊंचाई पर उड़ान भर रहा है।'

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

कौओं-परिंदों की चिंता

देश के सात से अधिक राज्यों में बर्ड फ्लू के कारण सैकड़ों पक्षियों का मरना या मारा जाना दुखद तो है ही, मानवता पर प्रश्नचिह्न भी है। बेजुबान पक्षियों में भी कौओं की बड़ी संख्या में मौत झकझोर रही है। कौओं की चिंता इसलिए भी ज्यादा है, क्योंकि अव्वल तो शहरों में उनकी संख्या बहुत घट चुकी है, गांवों में भी वे पहले की तरह नजर नहीं आते हैं। ऐसे में, उनकी मौत बाकी बचे हुए कौओं को मानव बस्तियों से बहुत दूर कर देगी। कौओं के साथ मानव बस्तियों का रिश्ता पुराना है। वे सदियों से सफाईकर्ता के रूप में हमारे आसपास से नाना प्रकार के जहरीले या अवांछित कीड़े-मकोड़ों को हटाते आए हैं। उनका हमारे पास न होना, हमारी सेहत के लिए भी खतरनाक है। कौओं की मौत की सूचना राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, केरल, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश से विशेष रूप से आ रही है। विशेषज्ञ जांच में लगे हैं, लेकिन सामान्य रूप से कौओं में बर्ड फ्लू का संक्रमण दूसरे पक्षियों से ही हुआ होगा। आमतौर पर कौओं को दूसरे पक्षियों, जंतुओं के शव खाते-उठाते देखा जाता है, इसी वजह से उनमें संक्रमण की गुंजाइश ज्यादा रहती है। इस बार ज्यादा आशंका यह है कि विदेशी पक्षियों के जरिए ही बर्ड फ्लू का देश में संक्रमण हुआ है। सर्दियों में बड़ी संख्या में विदेशी पक्षी भारत के ताल, तालाबों, खेतों में समय बिताने आते हैं। कुछ पक्षी तो यहां सर्दियों के समय चार से पांच महीने तक रहते हैं। ऐसे में, यह बहुत जरूरी है कि विदेशी पक्षियों की खास तौर पर निगरानी की जाए। ताल-तालाबों के आसपास नजर रखने के साथ ही साफ-सफाई के काम को मुस्तैदी से अंजाम देना होगा। यह वही मौसम है, जब किसी न किसी राज्य से बड़ी संख्या में पक्षियों की मौत की खबर आती है, अत- संबंधित महकमों और विशेषज्ञों को सचेत हो जाना चाहिए। बर्ड फ्लू अत्यधिक गंभीर संक्रामक और श्वसन रोग है, जो मनुष्यों में फैला, तो बहुत घातक स्वरूप में सामने आएगा। इस साल बर्ड फ्लू की ज्यादा चिंता करने की जरूरत है, क्योंकि कोरोना से तबाह अर्थव्यवस्था और झटके झेलने की स्थिति में नहीं है। प्रशासन को वाकई हाई अलर्ट पर रहना होगा। बर्ड फ्लू अर्थात एवियन इन्फ्लूएंजा के प्रकोप को रोकने के लिए अधिकारियों को प्रभावित क्षेत्रों के दो-तीन किलोमीटर के दायरे में बत्तखों, मुर्गियों, पक्षियों आदि पर निगाह रखनी पड़ेगी। देश में जहां से भी बर्ड फ्लू की सूचना मिले, वहां सावधानी से उतने ही पक्षियों को मारना चाहिए, जितना बहुत जरूरी हो। जहां बर्ड फ्लू का संक्रमण नहीं हुआ है, वहां घबराने की जरूरत नहीं, पर सतर्क रहकर पक्षियों और उनकी गतिविधियों पर नजर रखनी चाहिए। जहां कौए हैं, वहां उनके लिए दाना-पानी की पर्याप्त व्यवस्था होनी चाहिए, ताकि उन्हें अन्य पक्षियों-कीड़ों के शव के पीछे घात न लगाना पड़े। हमें पक्षियों के स्वास्थ्य के प्रति भी सजग होना चाहिए। भारत एक ऐसा देश है, जहां सदियों से मेहमान पक्षी आते रहे हैं, अत- भारत में प्रवासी पक्षियों के स्वास्थ्य के अलावा स्वदेशी पक्षियों की भी चिंता जरूरी है। विशेष रूप से मानव व मानव आबादी को पसंद करने वाले कौओं को बचाने के लिए हरसंभव प्रयास जरूरी हैं। कौओं में भी कुछ प्रजातियां विरल हो चली हैं, बर्ड फ्लू के बहाने ही सही, उनके लिए संवेदना बढ़े, तो हम मनुष्यों का ही भला होगा।

अस्पतालों में कोरोना संक्रमण की संवेदनशीलता

मुकुल व्यास

अस्पतालों और नर्सिंग होमों में कोरोना वायरस का संक्रमण रोकना एक बड़ी चुनौती है। इन जगहों पर वायरस के संक्रमण का खतरा बहुत ज्यादा होता है क्योंकि संक्रमित मरीज और स्वस्थ लोग एक ही कमरे में लंबे समय तक रहते हैं। वायरस हवा में मौजूद अदृश्य एरोसोल कणों के जरिए कई मीटर दूर तक फैल सकता है। इस साल के आरंभ में अस्पतालों और नर्सिंग होमों की भीतरी हवा में एरोसोल कणों के जरिए संक्रमण के मामलों की कई खबरें आई थीं।नीदरलैंड में एक नर्सिंग होम में तो वेंटिलेशन सिस्टम के जरिए संक्रमण फैला क्योंकि वार्ड में मौजूद हवा साफ नहीं थी। बाद में वहां के एयर कंडीशनिंग सिस्टम के डस्ट फिल्टर में सार्स-कोव-2 वायरस की मौजूदगी का पता चला। अनेक विशेषज्ञों का कहना है कि यूरोप में इस शरद में संक्रमण के मामलों में अचानक जो वृद्धि हुई, उसके पीछे अस्पतालों के अंदर एरोसोल कणों के जरिए वायरस का फैलाव मुख्य कारण था। लोग ज्यादा समय तक घरों के अंदर रहते हैं। जैसे-जैसे तापमान घटता है, भीतरी स्थानों में वेंटिलेशन भी कमजोर पड़ने लगता है। घरों के अंदर संक्रमित लोगों के रहने पर हवा में वायरस के कणों की मात्रा बहुत बढ़ जाती है। मास्क पहनने से हवा के जरिए वायरस का संक्रमण कम किया जा सकता है लेकिन इसे पूरी तरह से रोका नहीं जा सकता। रिसर्चरों ने एक अध्ययन में पता लगाया है कि अस्पतालों में कोविड-19 के मरीजों वाले आईसीयू कमरों में करीब एक-चौथाई कमरे वायरस की आनुवंशिक सामग्री से प्रदूषित थे। चौंकाने वाली बात यह है कि अस्पतालों के बाथरूमों और टॉयलेट्स से लिए गए 20 प्रतिशत नमूने पॉजिटिव पाए गए। इसके अलावा अस्पतालों के गलियारों से लिए गए आधे से ज्यादा नमूने पॉजिटिव निकले। फ्रांस में यूनिवर्सिटी ऑफ नाट के सेंट्रल हॉस्पिटल की रिसर्च टीम का कहना है कि वायरस की अत्यधिक मात्रा में मौजूदगी और अपर्याप्त वेंटिलेशन वाले कमरों में लोगों की अधिक संख्या की वजह से डॉक्टर और हैल्थ वर्कर बड़ी संख्या में संक्रमित हुए, हालांकि उन्होंने पीपीई पहन रखे थे। रिसर्चरों ने अपने विश्लेषण के लिए अमेरिका, ब्रिटेन, इटली सहित आठ देशों में पिछले साल 1 जनवरी से 27 अक्तूबर तक किए गए 24 अध्ययनों को सम्मिलित किया। अस्पताल में दाखिल मरीजों के कमरों और आईसीयू से हवा के नमूने लिए गए। नर्सों के स्टेशनों, स्टाफ के कमरों तथा अस्पतालों के भीतर गलियारों जैसे सार्वजनिक स्थानों से भी नमूने लिए गए। एकत्र किए गए 893 नमूनों में 17.4 प्रतिशत वायरस के आरएनए या आनुवंशिक सामग्री की वजह से पॉजिटिव पाए गये। आईसीयू कमरों के अलावा प्रदूषित नमूनों का सबसे ज्यादा प्रतिशत रेस्ट रूम और गलियारों में पाया गया।अस्पतालों और नर्सिंग होमों में कोरोना वायरस के फैलाव को रोकने के लिए अनेक कदमों की आवश्यकता है। इसके लिए हवा के जरिए होने वाले संक्रमण से स्वास्थ्य कर्मियों को बचाने के लिए एक नयी रणनीति बनाना बहुत जरूरी हो गया है। नयी दिल्ली स्थित सीएसआईआर-नेशनल फिजिकल लेबोरेटरी, जर्मनी में लाइपजिग स्थित लाइबनिट्ज इंस्टीट्यूट फॉर ट्रोपोस्फीयर रिसर्च, रोम के इंस्टीट्यूट ऑफ एटमॉस्फेरिक साइंस एंड क्लाइमेट तथा अमेरिका में कोलोराडो स्थित 2बी टेक्नोलॉजिज ने अस्पतालों में हवा के जरिए फैलने वाले वायरस का विस्तार से अध्ययन किया है। इन संस्थानों के रिसर्चरों का कहना है कि अस्पताल जैसी जगहों में भीतरी हवा पर अधिक ध्यान देना चाहिए। इसके साथ ही स्टाफ को और ज्यादा प्रशिक्षित करने की भी आवश्यकता है। रिसर्च टीम ने अपने अध्ययन का उल्लेख इंटरनेशनल जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ पत्रिका में किया है। टीम ने जो कदम सुझाए हैं, उनमें नियमित वेंटिलेशन, कार्बन डाइऑक्साइड मॉनिटर के जरिए स्वच्छ हवा की खपत का नियंत्रण, ह्यूमिडिफायर (नमी बढ़ाने वाला उपकरण) का प्रयोग और कमरों का नियमित डिसइंफेक्शन शामिल है। अस्पतालों के भीतर सांस की नली के संक्रमण को रोकने के लिए नमी को 40 से 60 प्रतिशत के बीच रखने के लिए ह्यूमिडिफायर जरूरी है। नमी की इस रेंज में मनुष्य की नाक, सांस नली और फेफड़ों आदि की झिल्लियां (म्यूकस मेम्ब्रेन) संक्रमण का सर्वाधिक प्रतिरोध करती हैं। यदि कमरों में समुचित वेंटिलेशन संभव नहीं हो तो पोर्टेबल एयर प्यूरिफायर का भी प्रयोग किया जा सकता है। एयर कंडीशनिंग सिस्टम या वेंटिलेशन के जरिए ताजी हवा का प्रवाह बहुत आवश्यक है। कार्बन डाईऑक्साइड की मात्रा नापने वाले उपकरणों के प्रयोग से शुद्ध हवा के प्रवाह को नियंत्रित किया जा सकता है। कमरों के भीतर कार्बन डाईऑक्साइड की अधिक मात्रा का मतलब यह है कि कमरे में सांस से छोड़ी गई हवा बहुत ज्यादा है। यदि कमरे में संक्रमित व्यक्ति मौजूद है तो हवा में वायरस के कण ज्यादा होंगे जो स्वस्थ व्यक्ति की सांस में जा सकते हैं। अस्पतालों में सर्जरी और आईसीयू में मरीजों को लगाई जानी वाली ट्यूबों, डेंटल ट्रीटमेंट तथा अन्य उपचारों के दौरान हवा में एरोसोल पार्टिकल्स के मिलने का खतरा बहुत बढ़ जाता है। अतः मेडिकल स्टाफ को विशेष सुरक्षा की जरूरत है। रोम स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ एटमॉस्फेरिक साइंस के डॉ. फ्रांसेस्का कोस्टा बाइल का कहना है कि मेडिकल स्टाफ को अन्य सुरक्षा उपकरणों के अलावा गोगल्स का भी प्रयोग करना चाहिए। रिसर्चरों ने कहा कि कोविड के मरीजों के इलाज के दौरान उन सभी उपचारों से यथासंभव बचना चाहिए, जिनसे एरोसोल उत्पन्न होता हो। इस संबंध में उन्होंने नेबुलाइजर जैसे उपचारों का उल्लेख किया। कमरों को कीटाणु रहित करने में भी बहुत सावधानी की जरूरत है। रिसर्चरों का कहना है कि कमरों को डिसइन्फेक्ट करते वक्त अल्ट्रावायलेट सी लाइट का प्रयोग ज्यादा नहीं करना चाहिए। इस लाइट से कोविड का वायरस मर तो जाता है लेकिन इससे कमरों के अंदर ओजोन की मात्रा बढ़ जाती है, जिसका स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ता है। कमरों के भीतर ये रसायन विषाक्त रासायनिक क्रियाएं उत्पन्न करते हैं, जिनसे दूसरे प्रदूषक तत्व उत्पन्न होते हैं। ये मनुष्य के स्नायु तंत्र और फेफड़ों को क्षति पहुंचाते हैं। रिसर्चरों की अंतर्राष्ट्रीय टीम ने इस बात पर जोर दिया है कि भीतरी हवा के जरिए वायरस का प्रसार रोकने के लिए अस्पतालों और नर्सिंग होमों के स्टाफ को प्रशिक्षित करना बेहद आवश्यक है। स्टाफ को कड़े निर्देशों का पालन करने के लिए प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

आज के ट्वीट

कोर्ट

किसान नेता बोल रहे है को वो कोर्ट नहीं जाएंगे सही बात है कैसे जाएंगे वहां पे बिल के हर मुद्दे पे बात करनी पड़ेगी,बिल की गलती बतानी पड़ेगी और ये सब इनसे होगा नहीं

- पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ

ज्ञान गंगा

चिन्तन के क्षण

श्रीराम शर्मा आचार्य

हमारे चिन्तन में गहराई हो, साथ ही श्रद्धायुक्त नम्रता भी। अंतरात्मा में दिव्य-प्रकाश की ज्योति जलती रहे। उसमें प्रखरता और पवित्रता बनी रहे तो पर्याप्त है। पूजा के दीपक इसी प्रकार टिमटिमाते हैं। आवश्यक नहीं उनका प्रकाश बहुत दूर तक फैले। छोटे-से क्षेत्र में पुनीत आलोक जीवित रखा जा सके तो वह पर्याप्त है। परमात्मा के प्रति अत्यन्त उदारतापूर्वक आत्मभावना पैदा होती है वही श्रद्धा है। सात्विक श्रद्धा की पूर्णता में अंत-करण स्वत- पवित्र हो उठता है। श्रद्धायुक्त जीवन की विशेषता से ही मनुष्य स्वभाव में ऐसी सुंदरता बढ़ती जाती है, जिसे देखकर श्रद्धावान स्वयं संतुष्ट बना रहता है। श्रद्धा सरल हृदय की ऐसी प्रीतियुक्त भावना है, जो श्रेष्ठ पथ की सिद्धि कराती है। जीवन का सम्मान ही आचार शास्त्र है। अनीति ही जीवन को नष्ट करती है। मूर्खता और लापरवाही से तो उसका अपव्यय भर होता है। बुरी तो बर्बादी भी है पर विनाश तो पूरी विपत्ति है। बर्बादी के बाद तो सुधरने के लिए कुछ बच भी जाता है पर विनाश के साथ तो आशा भी समाप्त हो जाती है। पाप अनेकों हैं उनमें प्राय- आर्थिक अनाचार और शरीरों को क्षति पहुंचाने जैसी घटनाएं ही प्रधान होती हैं। इनमें सबसे बड़ा पातक जीवन का तिरस्कार है। अनीति अपनाकर हम उसे क्षतिग्रस्त, कुंठित, हेय और अप्रमाणिक बनाते हैं। को हानि पहुंचाना जितनी बुरी बात है दूसरों के ऊपर पतन और पराभव थोपना जितना निंदनीय है, उससे कम पातक यह भी नहीं है कि हम जीवन का गला अपने हाथों घोटें और उसे कुत्सित, कुंठित, बाधित, अपंगों एवं तिरस्कृत स्तर का ऐसा बना दें जो मरण से भी अधिक कष्टदायक हो। श्रद्धा तप है। वह ईश्वरीय आदेशों पर निरन्तर चलते रहने की प्रेरणा देती है। आलस से बचाती है। कर्तव्यपालन में प्रमाद से बचाती है। सेवा धर्म सिखाती है। अंतरात्मा को प्रफुल्ल, प्रसन्न रखती है। इस प्रकार के तप और त्याग से श्रद्धावान व्यक्ति के हृदय में पवित्रता एवं शक्ति का भंडार अपने आप भरता चला जाता है। गुरु कुछ भी न दे तो भी श्रद्धा में वह शक्ति है, जो अनन्त आकाश से अपनी सफलता में तत्व और साधन को आश्चर्यजनक रूप से खींच लेती है। ध्रुव, एकलव्य, अज, दिलीप की साधनाओं में सफलता का रहस्य उनके अंत-करण की श्रद्धा ही रही है।

आज का राशिफल

मेष संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। वाणी की सौम्यता बनाये रखने की आवश्यकता है।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन हानि की संभावना है।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्ची पर नियंत्रण रखें। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कन्या बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समय गुजरेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला आर्थिक योजना को बल मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे। धन लाभ होने के योग हैं।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु आर्थिक दिशा में प्रगति होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। राजनैतिक क्षेत्र में किए गए प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता आपको लाभ दिलायेगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। खान-पान में संयम रखें। जीविका की दिशा में प्रगति होगी। विरोधी परास्त होंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। मित्रों या रिश्तेदारों से पीड़ा मिलेगी। नेत्र विकार की संभावना है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

भाग्य पर भरोसा नहीं, पर कोसेंगे जरूर

- डॉ. दीपक आचार्य

कोई व्यक्ति चाहे किसी भी रोजगार में हो, खुद का काम-धंधा हो या फिर सरकार का किसी भी श्रेणी का नौकर हो, छोटे से छोटा नौकर हो या प्रतिष्ठित और बड़े पद वाला नौकर। सभी को जीवन में उन्नति चाहिए, समस्याओं से मुक्त जिन्दगी चाहिए। भोग-विलास और सभी प्रकार की समृद्धि चाहिए। फिर भी संतोष नहीं। गरीब हो या अमीर, सभी के साथ यही स्थिति है। भाग्य पर भरोसा करने वाले भी हैं और कर्म पर भी। लेकिन इतना सत्य है कि कोई कितना ही कर्म पर विश्वास रखने की बात कहे, लेकिन भाग्य की बातें सभी करते हैं। जिनके पास सब कुछ है, वे भी और अधिक पाने की चाहत लिए रोते रहते हैं और जिनके पास नहीं है वे भी विपन्नता का रोना रोते रहते हैं। संतुष्ट इंसान कहीं-कहीं ही देखने को मिल पाते हैं। इस सन्तुष्टों के लिए भगवान का भरोसा ही एकमेव आधार है। जिन लोगों का अपने भाग्य पर भरोसा होता है वे अपने भविष्य को लेकर बिना किसी शंका-आशंका के चुपचाप कर्म करते रहते हैं। वे अपने मन में पक्की धारणा बना चुके होते हैं कि जो कुछ सहजता और आसानी से प्राप्त हो रहा है, वह सारा भाग्य का ही खेल है। इसलिए इसी में संतोष करते हुए आगे बढ़ते रहो। लेकिन ये लोग अपने कर्म में कोई कमी नहीं छोड़ते। उनका कर्म अपनी जगह चलता ही रहता है। कुछ फीसदी ही लोग ऐसे होंगे जो केवल और केवल भाग्य को ही सर्वोपरि मानकर यथास्थितिवादी मानसिकता को पालकर निराशा में डूबे हुए उदासीन बने रहते हैं। तीसरी श्रेणी है उन लोगों की जो भाग्य को नहीं मानते या कि भाग्य से कर्म को अधिक महत्व देते हैं। ऐसे लोग कर्म को प्रधान मानकर कर्म करते भी हैं और कर्म का डिण्डोरा भी पीटते रहते हैं। फिर भी इनका अनुभव यही रहता है कि सारी शक्ति लगाने के बावजूद कोई बदलाव नहीं आ रहा है, तरक्की प्राप्त नहीं हो रही है और ढाक के पात तीन के तीन ही हैं जबकि दिन-रात कर्मरत रहा करते हैं। ऑटोरिक्शा, कार-बस वाले हों या फिर कोई से दुकानदार, किसी भी किस्म के व्यापारी हों या काम-धंधे वाले। ये विज्ञापनों, माईक का इस्तेमाल कर ग्राहकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं, चिल्ला-चिल्ला कर उपभोक्ताओं को अपने पाले में खींच लाने के लिए आतुर रहते हैं। कुल मिलाकर लपकों की तरह ऐसे टूट पड़ते हैं जैसे गिद्ध अपने शिकार पर। फिर भी वो सब कुछ हासिल नहीं हो पाता, जिसके लिए ये जी तोड़ हरकतें करते हैं। इतने कर्म के बावजूद भी जब कुछ हासिल नहीं हो पाता, तब उनका चित्त भाग्य की ओर लग जाता है। कोई भी व्यक्ति अपनी कमजोरियों, कमियों और क्षुद्र स्वार्थों को स्वीकार करना नहीं चाहता। किसी भी सामान्य इंसान में इतना साहस होता भी नहीं कि वह सत्य को स्वीकार कर सके। ऐसे में सारे के सारे लोग ले दे कर भाग्य को कोसना शुरू कर देते हैं। यह कहकर कि हमारा भाग्य ही खराब है, या कि हमारे भाग्य में कुछ अच्छा लिखा ही नहीं है। विडम्बनाजनक हालात ये हैं कि जो लोग भाग्य पर भरोसा ही नहीं करते, वे लोग भी अपनी विफलता और दुःखों के समय भाग्य की बातें करने लगते हैं और सारा का सारा दोष भाग्य के मत्थे मढ़ दिया करते हैं। भाग्य अपनी जगह है, कर्म का प्रतिफल अपनी जगह। भाग्य बीज रूप होता है और कर्म उस बीज के पल्लवन-पुष्पन के लिए खाद-बीज व पानी का काम करता है। कर्म भी तभी सार्थक होता है जबकि सुकर्म हो। आपराधिक कारनामों, आसुरी वृत्तियों का नंगा नाच, कुकृत्यों, ब्लेकमेलिंग, हरामखोरी, कमीशनबाजी, रिश्वतखोरी, भ्रष्टाचार, मुनाफाखोरी और लूट जैसे कर्म अन्ततोगत्वा दुखदायी ही होते हैं, इसमें भाग्य क्या करे। भाग्य केवल अच्छे कर्मों के ही बीज तत्वों का अंकुरण, सुरक्षित पल्लवन और पुष्पन करता है। अच्छे, नैष्ठिक और समर्पित कर्म भाग्य के बीजों को वटवृक्ष की स्थिति में ला दिया करते हैं। इसलिए भाग्य और कर्म का पारस्परिक संबंध कालजयी है और रहेगा। जो लोग भाग्य को नहीं मानते, उन लोगों को अपनी किसी भी असफलता, दुःख, शोक, विषाद और आपदा के लिए भाग्य को कोसने का कोई अधिकार नहीं है। जो लोग बिना किसी वजह से भाग्य को ही कोसते हुए रोते रहने के आदी हो जाते हैं वे जिन्दगी भर रोते ही रहते हैं। भाग्य उन्हीं का साथ देता है जो आशावादी हों तथा शुचितापूर्ण कर्म में विश्वास रखने वाले हों। कर्म का उद्देश्य, लक्ष्य और परिणाम यदि श्रेष्ठ, पवित्र एवं कल्याणकारी न हो तो ऐसे में भाग्य भी रूठ जाता है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सोने में 389 रुपये और चांदी में 1,137 रुपये की तेजी

नयी दिल्ली. बहुमूल्य धातुओं कीमतों में तेजी और रुपये के मूल्य में गिरावट आने के अनुरूप दिल्ली सर्राफा बाजार में सोमवार को सोना 389 रुपये बढ़कर 48,866 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी है। इससे पिछले कारोबारी सत्र में सोना 48,477 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत भी इस दौरान 1,137 रुपये की तेजी के साथ 64,726 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई जो इससे पिछले कारोबारी सत्र में 63,589 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। सोमवार के शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में 24 पैसे की गिरावट देखी गई और मूल्य घटकर 73.48 रुपये प्रति डॉलर रह गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में, सोना लाभ दर्शाता 1,853 डॉलर प्रति औंस हो गया जबकि चांदी 25.14 डॉलर प्रति औंस पर लगभग अपरिवर्तित रही। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) तपन पटेल ने कहा, ''कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों को लेकर चिंता के कारण सोने में लिवाली बढ़ गई जिससे मजबूत डॉलर के बावजूद रुपये में शुक्रवार के निम्न बंद स्तर से वापस तेजी लौट आई।''

फॉक्सवैगन फाइनेंस ने केयूडब्ल्यूवाई टेक्नालॉजी सर्विसेज में बहुलांश हिस्सेदारी हासिल की

मुंबई, फॉक्सवैगन फाइनेंस ने सोमवार को कहा कि उसने चेन्नई स्थित तत्काल ऋण देने वाले डिजिटल मंच केयूडब्ल्यूवाई टेक्नालॉजी सर्विस में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाई है। फॉक्सवैगन फाइनेंस ने इससे पहले सितंबर 2019 में केयूडब्ल्यूवाई टेक्नालॉजी सर्विस प्राइवेट लिमिटेड में 25 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी थी। कंपनी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि फॉक्सवैगन फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड (वीडब्ल्यूएफपीएल) इंडिया ने केयूडब्ल्यूवाई में बहुलांश इक्विटी हिस्सेदारी हासिल की है। कंपनी ने बताया कि केयूडब्ल्यूवाई के पूरे भारत में फैले नेटवर्क के जरिए वह अपने नए और इस्तेमाल किए हुए वाहनों के व्यवसाय को बढ़ाएगा।

एप्पल की योजना, इस साल हल्के, सस्ते आईपैड लॉन्च करना

सैन फ्रांसिस्को। एप्पल के बारे में यह सुनने में आ रहा है कि कंपनी की योजना इस साल एक पतले और हल्के एंट्री-लेवल के आईपैड को लॉन्च करने की है। इसकी सबसे बड़ी खासियत यह होगी कि नौवीं पीढ़ी के इस डिवाइस को अपेक्षकृत कम दाम में पेश किया जाएगा। मैक ओटाकरा की रिपोर्ट के मुताबिक, इस आगामी डिवाइस को नई पीढ़ी के आईपैड एयर 3 की तरह से ही डिजाइन किया जाएगा यानि कि इसकी बॉडी भी काफी पतली होगी। इस नए आईपैड में डिस्प्ले साइज 10.2 इंच ही रहने वाला है, लेकिन यह शायद आईपैड एयर के मुकाबले कुछ और पतला हो सकता है। ज्ञात हो कि आईपैड एयर 6.3 मिमी पतला है। हालिया आईपैड का वजन 490 ग्राम के मुकाबले इसका वजन अपेक्षाकृत कम होगा, जिसे कि 460 ग्राम का माना जा रहा है। यानी यह अभी के डिवाइस के मुकाबले 30 ग्राम कम वजनी होगा।यह डिवाइस भी टच आईडी होम बटन, लाइटनिंग पोर्ट के साथ यूएसबी-सी कनेक्टर से लैस होगा। इसमें फुल-लेमिनेशन डिस्प्ले, एंटी-रिफ्लेक्टिव कोटिंग, पी3 वाइड कलर सपोर्ट और टू टोन के होने की उम्मीद जताई जा रही है। रिपोर्ट में बताया गया है कि इसकी कीमत के 299 डॉलर से शुरू होने की उम्मीद है, जो कि भारतीय मुद्रा के हिसाब से 21940.14 रुपये है, जबकि अभी के डिवाइस की कीमत 399 डॉलर यानि कि 29277.98 रुपये है। एप्पल शायद मार्च के महीने के अंत तक एक इवेंट में इस साल आने वाले अपने आईपैड लाइन-अप का अनावरण कर सकता है, हालांकि इसकी कोई पुष्टि नहीं हुई है।

घरेलू फंडों में 5 साल के बाद बढ़ोतरी दर्ज

नई दिल्ली।

घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 2020 में पांच साल के बाद अपना पहला बेहतरीन प्रदर्शन दर्ज किया है। सोमवार को बीएसई सेंसेक्स 49,000 का आंकड़ा पार गया। इस अवधि में एफआईआई की आमद रिकॉर्ड ऊंचाई पर रही, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशक द्वारा बहिर्वाह भी ताजा उच्च स्तर पर दर्ज किया गया। मोतीलाल ओसवाल इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज की एक रिपोर्ट के मुताबिक, कैलेंडर ईयर 2020 में डीआईआई ने पांच साल के इनफ्लो के बाद अपना पहला आउटफ्लो देखा। साल 2020 के लिए एफआईआई प्रवाह 23.4 अरब डॉलर पर था, जो साल 2012 के बाद का उच्चतम स्तर है। हालांकि, डीआईआई ने पांच साल के इनफ्लो के बाद अपना पहला आउटफ्लो (4.9 अरब डॉलर) दर्ज किया। कैलेंडर वर्ष 2020 में, मिडकैप इंडेक्स 22 प्रतिशत ऊपर था। वहीं पिछले पांच वर्षों में इसमें 20 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई थी। दिग्गज कंपनियों की बात करें, तो डिविस लैब्स का शेयर 108 प्रतिशत, डॉ. रेड्डी लैब्स का 81, इंफोसिस का 72, सिप्ला का 71, एचसीएल टेक का शेयर 66 प्रतिशत उछला और इसके साथ ही इन कंपनियों के शेयर ने निफ्टी में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। वहीं इंडसइंड बैंक का शेयर 41 प्रतिशत, कोल इंडिया का 36, आईओसीएल का 28, ओएनजीसी का 28 , बीपीसीएल का 22 प्रतिशत शेयर गिरा। कोरोना वायरस महामारी की चुनौतियों के बावजूद कैलेंडर वर्ष 2020 में निफ्टी ने 15

प्रतिशत रिटर्न दर्ज किया। सितंबर 2020 से सक्रिय कोविड-19 मामलों में 80 प्रतिशत की कमी से कॉर्पोरेट आय में मजबूती आई, जिसके परिणामस्वरूप वृद्धि दर्ज की गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि चूंकि भारत में टीकाकरण 16 जनवरी 2021 से शुरू हो रहा है, इसलिए हमें उम्मीद है कि मांग में तेजी से रिकवरी आएगी। साथ ही हम यह भी उम्मीद करते हैं कि सरकार अपने आगामी बजट में विकास को प्राथमिकता देगी।

इस महीने शुरू होगा वाणिज्यिक खनन नीलामी का अगला चरण- कोयला मंत्री

नयी दिल्ली, कोयला मंत्री प्रह्लाद जोशी ने सोमवार को कहा कि वाणिज्यिक खदानों की नीलामी का अगला चरण इस महीने शुरू होगा और साथ ही जोर दिया कि ये दौर आगे भी जारी रहेंगे। उन्होंने वाणिज्यिक कोयला खनन के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर और एकल-खिड़की निकासी प्रणाली के शुभारंभ पर कहा कि वाणिज्यिक कोयला खनन को अब व्यवस्था का हिस्सा बना दिया गया है। मंत्री ने कहा, ''वाणिज्यिक खनन नीलामी का अगला चरण जनवरी 2021 में शुरू होगा और ये चरण आगे भी जारी रहेंगे।'' गृह मंत्री अमित शाह ने समारोह में कहा कि देश को 2025 तक 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में कोयला क्षेत्र सबसे महत्वपूर्ण योगदान कर सकता है। उन्होंने कहा कि दुनिया का चौथा सबसे बड़ा भंडार होने के बावजूद भारत कोयला आयात कर रहा है और यह देश के लिए सही नहीं है। जोशी ने कहा कि एकल-खिड़की निकासी से कोयला क्षेत्र में कारोबार सुगम होगा। इस समय देश में कोयला खदान शुरू करने से पहले लगभग 19 प्रमुख मंजूरियों की जरूरत है। अब, पूरी प्रक्रिया को चरणबद्ध तरीके से एकल-खिड़की निकासी पोर्टल के माध्यम से आसान बनाया जाएगा।

बर्ड फ्लू की दहशत: रेस्तरां के मेन्यू से चिकन गायब, करोबार पर मंडराया गहरा संकट

नेशनल डेस्क। देश के कई राज्यों में बर्ड फ्लू ने पैर पसारना शुरू कर दिया है। ऐसे में अंडे और चिकन की मांग में भारी गिरावट देखने को मिल रही है। नॉनवेज परोसने वाले रेस्टोरेंट्स तो जैसे खाली ही हो गए हैं। ग्राहकों की संख्या में काफी कमी आई है। राजधानी की बात करें तो वहां के तमाम रेस्तरां के मेन्यू से चिकन डिश गायब हो गई है। इसकी जगह मटन व अन्य आइटम जोर पकड़ रही है। रेस्टोरेंट मालिकों का कहना है कि हर साल ठंड के मौसम में बर्ड फ्लू को लेकर हड़कंप मचता है लेकिन इस बार बाजार पर जो असर पड़ा है वो इससे पहले कभी नहीं हुआ। बर्ड फ्लू के डर से रेस्टोरेंट और भोजनालयों ने पिछले वर्ष भी चिकन और अंडे के ऑर्डर रद्द कर दिये थे, मांग में भी भारी गिरावट दर्ज की गयी था। हजारों पक्षियों को मारना पड़ा था, जिससे पोल्ट्री कारोबारी गहरे संकट में फंस गये। इसी दहशत की वजह से मटन के दाम एक ही दिन में 40 से 50 रुपये प्रति किलो तक बढ़ गए हैं, वहीं चिकन के दाम एकदम से गिर गए हैं। दिल्ली मांस व्यापारी संघ के महासचिव इरशाद कुरैशी ने कहा कि हम इस बात को समझते हैं कि ग्राहक घबरा जाते हैं और सावधानी के तौर पर मुर्गों की खरीदारी बंद कर देते हैं, लेकिन यह जानना महत्वपूर्ण है कि यदि मांस को अच्छे से पकाया जाए, तो स्वास्थ्य को कोई खतरा नहीं होता। उन्होंने कहा कि बर्ड फ्लू के खतरे का कारोबार पर ऐसे समय में असर पड़ रहा है, जब कारोबारी पहले की कोविड-19 के प्रभाव से जूझ रहा है।बता दें कि दिल्ली सरकार ने बर्ड फ्लू की दहशत के मद्देनजर राष्ट्रीय राजधानी में जीवित पक्षियों के आयात पर रोक और शहर के सबसे बड़े पोल्ट्री बाजार गाजीपुर कुक्कुट बाजार के अगले 10 दिन तक बंद रहने की शनिवार को ही घोषणा कर दी थी। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ऐलान किया था कि दिल्ली में जीवित पक्षियों का आयात आज से पूरी तरह प्रतिबंधित किया जा रहा है।

फेसबुक और व्हाट्सऐप पर बैन लगाने की मांग, CAIT ने सरकार को लिखा पत्र

बिजनेस डेस्क:

खुदरा कारोबारियों के संगठन कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (CAIT) ने सरकार से इंस्टैंट मैसेजिंग ऐप व्हाट्सऐप और उसकी मूल कंपनी फेसबुक के ऊपर रोक लगाने की रविवार को मांग की। कैट ने सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री रविशंकर प्रसाद को पत्र लिखकर यह मांग की। कैट ने व्हाट्सऐप की नई प्राइवेसी पॉलिसी पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि उसे इसे लागू करने से रोका जाना चाहिए या फिर उस पर पूरी तरह से रोक लगा दी जानी चाहिए।

देश की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा

कैट ने मंत्री को लिखे पत्र में कहा, सरकार को या तो व्हाट्सऐप को नई प्राइवेसी पॉलिसी लागू करने से रोकना चाहिए या फिर व्हाट्सऐप के ऊपर रोक लगानी चाहिए। कैट ने कहा कि भारत में फेसबुक के 20 करोड़ से अधिक यूजर्स हैं और इसे हर यूजर्स के डेटा तक पहुंचने में सक्षम करने से न केवल अर्थव्यवस्था बल्कि देश की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा हो सकता है।

क्या है WhatsApp की नई पॉलिसी

हाल ही में व्हाट्सऐप ने अपनी प्राइवेसी पॉलिसी को अपडेट किया है। ये प्राइवेसी पॉलिसी 8 फरवरी से लागू हो जाएगी। व्हाट्सऐप ने इसमें बताया कि वह कैसे यूजर्स के डेटा का प्रोसेस करती है और डेटा को फेसबुक के साथ किस तरह से शेयर करती है। अपडेट में यह भी कहा गया कि व्हाट्सऐप की सर्विस का उपयोग जारी रखने के लिए यूजर्स को 8 फरवरी, 2021 तक नई शर्तों और नीति से सहमत होना होगा।

हालांकि, व्हाट्सऐप के एक प्रवक्ता ने कहा, हमने पारदर्शिता को बढ़ावा देने के लिए नई प्राइवेसी पॉलिसी बनाई है।

जल्द बढ़ सकते हैं तेल, साबुन जैसे रोजमर्रा के उत्पादों के दाम, जानें क्यों?

बिजनेस डेस्क:

आने वाले दिनों में उपभोक्ताओं को तेल, साबुन, दंतमंजन जैसे रोजमर्रा के उपयोग वाले सामान पर अधिक खर्च करना पड़ सकता है। इनका उत्पादन करने वाली कंपनियां कच्चे माल के दाम बढ़ने की वजह से अपने उत्पादों के दाम बढ़ाने पर विचार कर रहीं हैं। इनमें से कुछ कंपनियों ने तो पहले ही दाम बढ़ा दिए हैं, जबकि कुछ अन्य करीब से स्थिति पर नजर रखे हुए हैं और मामले पर गौर कर रहीं हैं।

कच्चे माल का दाम बढ़ने से हो सकती है वृद्धि

रोजमर्रा के उपभोग का सामान बनाने वाली एफएमसीजी मैरिको तथा कुछ अन्य पहले ही दाम बढ़ा चुकीं हैं, जबकि डाबर, पारले और पतंजलि जैसी अन्य कंपनियां स्थिति पर करीब से निगाह रखे हुए हैं। नारियल तेल, दूसरे खाद्य तेलों और पाम तेल जैसे कच्चे माल का दाम बढ़ने से एफएमसीजी कंपनियां पहले तो इस वृद्धि को खुद ही वहन करने का प्रयास कर रही हैं, लेकिन वह लंबे समय तक अपने उत्पादों के दाम को स्थिर नहीं रख पाएंगी क्योंकि ऐसा करने से उनके सकल मार्जिन पर असर पड़ सकता है।

4-5त्न की हो सकती है वृद्धि

पारले प्रॉडक्ट्स के वरिष्ठ श्रेणी प्रमुख मयंक शाह ने कहा कि, 'पिछले तीन-चार माह के दौरान हमने खाद्य तेल जैसे सामान में उल्लेखनीय वृद्धि को देखा है। इससे हमारे मार्जिन और लागत पर असर पड़ रहा है। फिलहाल हमने कोई मूल्य वृद्धि नहीं की है, लेकिन हम स्थिति पर करीबी नजर रखे हुए हैं और यदि कच्चे माल में वृद्धि का क्रम जारी रहता है तो फिर हम दाम बढ़ाएंगे। यह वृद्धि सभी उत्पादों में होगी क्योंकि खाद्य तेल का इस्तेमाल सभी उत्पादों में होता है। यह वृद्धि कम से कम चार से पांच फीसदी की हो सकती है।'

प्रतिस्पर्धा को देखते हुए भी हो सकती है वृद्धि

डाबर इंडिया के मुख्य वित्तीय अधिकारी ललित मलिक ने कहा कि हाल के महीनों में कुछ खास सामानों जैसे कि आंवला और सोने के दाम में वृद्धि देखी गई है। आने वाले समय में हमें कुछ प्रमुख जिंसों में महंगाई बढ़ने की संभावना लगती है।

हमारा प्रयास होगा कि कच्चे माल के दाम की वृद्धि को खुद ही वहन करें और केवल कुछ चुने मामलों में ही न्यायोचित मूल्य वृद्धि होगी। यह वृद्धि बाजार की प्रतिस्पर्धा को देखते हुए भी तय हो सकती है।

पतंजलि ने अभी कोई फैसला नहीं लिया

हरिद्वार स्थित पतंजलि आयुर्वेद ने इस संदर्भ में कहा कि वह फिलहाल 'देखो और प्रतीक्षा करो' की स्थिति में है और अभी कोई निर्णय नहीं लिया है। हालांकि, कंपनी ने यह भी संकेत दिया कि वह भी उसी दिशा में आगे बढ़ रही है। पतंजलि के प्रवक्ता एस के तिजारावाला ने कहा कि, 'हमारी कोशिश हमेशा यही रहती है कि बाजार में आने वाले उतार-चढ़ाव से बचा जाए लेकिन बाजार परिस्थितियां यदि मजबूर करतीं हैं तो हम उस पर अंतिम निर्णय लेंगे।' सफोला और पैराशूट नारियल तेल जैसे ब्रांड बनाने वाली मैरिको ने कहा कि उस पर महंगाई का दबाव है, इसलिए प्रभावी मूल्य वृद्धि का कदम उठाना पड़ा।

दिसंबर में यात्री वाहनों की रफ्तार रही शानदार, 24% बढ़ी बिक्री

बिजनेस डेस्क:

ऑटोमोबाइल डीलरों के संगठन फाडा ने सोमवार को कहा कि त्योहारी मांग के चलते दिसंबर में यात्री वाहनों (पीवी) की खुदरा बिक्री 23.99 प्रतिशत बढ़कर 2,71,249 इकाई हो गई। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के अनुसार यात्री वाहनों की बिक्री दिसंबर 2019 में 2,18,775 इकाई थी। फाडा ने देश के 1,477 क्षेत्रीय परिवहन कार्यालयों (आरटीओ) में 1,270 से वाहन पंजीकरण के आंकड़े जमा किए। इन आंकड़ों के मुताबिक दिसंबर 2019 में दोपहिया वाहनों की बिक्री 11.88 प्रतिशत बढ़कर 14,24,620 इकाई हो गई, जो इससे पिछले साल की समान अवधि में 12,73,318 इकाई थी। हालांकि, वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री दिसंबर 2020 में 13.52 प्रतिशत घटकर 51,454 इकाई रह गई, जो इससे एक साल पहले की समान अवधि में 59,497 इकाई थी। इसी तरह, तिपहिया वाहनों की बिक्री दिसंबर 2020 में 52.75 प्रतिशत घटकर 27,715 इकाई रह गई, जो दिसंबर 2019 में 58,651 इकाई थी। समीक्षाधीन महीने में ट्रैक्टर की बिक्री 35.49 प्रतिशत बढ़कर 69,105 इकाई हो गई, जो दिसंबर 2019 में 51,004 इकाई थी। फाडा के अध्यक्ष विंकेश गुलाटी ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में पहली बार दिसंबर में वाहनों के पंजीकरण बढ़े हैं। उन्होंने कहा कि फसल अच्छी होने, दोपहिया खंड में आकर्षक छूट, यात्री वाहनों में नई पेशकश और जनवरी महीने में कीमत बढ़ने की आशंका के चलते मांग तेज बनी रही।

दिसंबर में वाहन पंजीकरण 11 फीसदी बढ़ा : फाडा

नई दिल्ली।

दिसंबर 2020 में साल-दर-साल आधार पर वाहन पंजीकरण में 11 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जो चालू वित्तवर्ष में एक महीने में पहली सकारात्मक वृद्धि है। ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों से पता चला है कि पिछले महीने 18.44 लाख वाहन पंजीकृत किए गए, जबकि दिसंबर 2019 में 16.61 लाख से अधिक वाहन पंजीकृत हुए थे। फाडा के एक बयान में कहा गया है कि वित्तवर्ष 2020-21 में पहली बार दिसंबर महीने में वाहनों के पंजीकरण में 11 प्रतिशत (साल-दर-साल) की सकारात्मक वृद्धि देखी गई। एसोसिएशन का कहना है कि त्योहारी मौसम में मांग हुई वृद्धि और नए साल पर कीमतों में होने वाली बढ़ोतरी के कारण दिसंबर महीने में अधिक वाहन पंजीकृत हुए हैं। दोपहिया, निजी वाहनों और ट्रैक्टर श्रेणियों का पंजीकरण क्रमश= 11.8 प्रतिशत, 24 प्रतिशत और 35.5 प्रतिशत साल-दर-साल आधार से बढ़ा है। वहीं वाणिज्यिक वाहनों और तिपहिया वाहनों में 2019 में इसी अवधि को देखें तो क्रमशः 13.5 प्रतिशत और 52 प्रतिशत की गिरावट देखी गई है। पंजीकरण के आंकड़ों पर टिप्पणी करते हुए फाडा के अध्यक्ष विंकेश गुलाटी ने कहा कि चालू वित्तवर्ष में पहली बार दिसंबर में वाहनों का पंजीकरण बढ़ा है। उन्होंने कहा कि फसल अच्छी होने, दोपहिया खंड में आकर्षक छूट, यात्री वाहनों में नई पेशकश

और जनवरी महीने में कीमत बढ़ने की आशंका के चलते मांग तेज बनी रही। गुलाटी ने कहा कि कमर्शियल व्हीकल सेगमेंट में डिमांड प्रेशर देखने को मिल रहा है, और साल-दर-साल के आधार पर इस सेगमेंट में 13.5 प्रतिशत की गिरावट आई है।

TCS के शेयरों नें 52 हफ्तों का हाइएस्ट लेवल छुआ, दूसरी IT कंपनियों के शेयर भी चमके

नई दिल्ली:

टीसीएस का शेयर प्राइस सोमवार को 3.5 फीसदी बढ़कर 3230 रुपए प्रति शेयर पर ट्रेड करने लगा। यह पिछले 52 हफ्तों के हाइएस्ट लेवल है। दिसंबर तिमाही के नतीजे उम्मीद से बेहतर रहने के कारण शेयरों में यह तेजी आई है। कंपनी के दिसंबर तिमाही के नतीजे अच्छे रहे हैं। इस दौरान कंपनी का कंसॉलिडिटेड नेट प्रॉफिट साल-दर-साल हिसाब से 7.17 फीसदी बढ़कर 8727 करोड़ रुपए पहुंच गया है। इससे पहले सितंबर तिमाही में कंपनी का कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट 7504 करोड़ रुपए था। निफ्टी IT इंडेक्स भी बढ़कर 26,800 प्वाइंट पर पहुंच गया है। IT के दूसरे शेयर भी 52 हफ्ते का हाइएस्ट लेवल टच कर रहे हैं। इंफोसिस के शेयर भी बढ़कर 1365.95 रुपए पर ट्रेड कर रहे हैं जो इसका पिछले 52 हफ्तों का हाइएस्ट लेवल है। HCL के शेयर 1029 रुपए प्रति शेयर, विप्रो 444.95 रुपए और माइंडट्री के शेयर 1764.50 रुपए प्रति शेयर पर ट्रेड कर रहे हैं। वहीं टेक महिंद्रा के शेयर 1068.65 रुपए पर हैं। विप्रो ने शेयर बायबैक का ऐलान किया था जिसके बाद इसके शेयरों में भी 3.50 फीसदी की तेजी आई है। कंपनी का 9500 करोड़ रुपए का बायबैक ऑफर आज बंद होगा। शुक्रवार तक विप्रो का बायबैक ऑफर 326 रुपए फीसदी सब्सक्राइब हो गया था।

विप्रो के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स 13 जनवरी को मुलाकात करने वाले है। इस बैठक में डायरेक्टर्स कंपनी के 31 दिसंबर को खत्म तिमाही नतीजों की ऑडिट करने की मंजूरी देने पर विचार कर सकते हैं। इस बैठक में बोर्ड अंतरिम डिविडेंड देने का भी फैसला कर सकता है।

भारत, अमेरिका व्यापार संबंधों के विस्तृत दायरे पर चर्चा कर रहे हैं: अमेरिकी संसद की रिपोर्ट

वाशिंगटन

अमेरिकी संसद में पेश की गई एक रिपोर्ट के अनुसार भारत और अमेरिका व्यापार संबंधों के विस्तृत दायरे पर चर्चा कर रहे हैं, जिसमें अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए भारतीय बाजार में व्यापक पहुंच, और बदले में सामान्यीकृत तरजीही प्रणाली (जीएसपी) के तहत नई दिल्ली की स्थिति बहाल करना शामिल है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2019 में जीएसपी व्यापार कार्यक्रम के तहत एक लाभार्थी विकासशील देश के रूप में भारत के दर्जे को यह कहते हुए खत्म कर दिया था कि उसने अपने बाजारों तक न्यायसंगत और उचित पहुंच देने का भरोसा नहीं दिया। स्वतंत्र कांग्रेस शोध सेवा (सीआरएस) की ताजा रिपोर्ट में कहा गया है, ''संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत व्यापार संबंधों की एक विस्तृत श्रृंखला पर बातचीत कर रहे हैं, जिसमें अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए भारतीय बाजार तक अधिक पहुंच शामिल है, जिसके बदले में शायद जीएसपी के तहत भारत के दर्जे को अमेरिका बहाल कर सकता है।'' रिपोर्ट में बातचीत की वर्तमान स्थिति का खुलासा नहीं किया गया है। सीआरएस की रिपोर्ट अमेरिकी कांग्रेस की आधिकारिक रिपोर्ट नहीं हैं। इसे विषयवस्तु विशेषज्ञ अमेरिकी सांसदों को विभिन्न विषयों की जानकारी देने और निर्णय लेने में मदद करने के लिए तैयार करते हैं। भारत के संबंध में इस टिप्पणी का उल्लेख ''117वीं कांग्रेस में प्रमुख कृषि व्यापार मुद्दे'' शीर्षक वाली रिपोर्ट में किया गया है। भारत सरकार ने भारतीय कृषि को वैश्विक बाजार के साथ जोड़ने के लिए पिछले साल सितंबर में तीन कानून बनाए थे। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सितंबर में कहा था कि भारत और अमेरिका के बीच सीमित व्यापार समझौते में बाधक अधिकांश मुद्दों को हल कर लिया गया है और जल्द ही किसी समझौते पर हस्ताक्षर किए जा सकते हैं।

भारत कुछ इस्पात और एल्यूमीनियम उत्पादों पर अमेरिका द्वारा लगाए गए भारी करों में छूट की मांग कर रहा है और साथ ही जीएसपी के तहत कुछ घरेलू उत्पादों पर निर्यात लाभ की बहाली, और कृषि, ऑटोमोबाइल, ऑटोमोबाइल कलपुर्जे और इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में अपने उत्पादों के लिए अधिक बाजार पहुंच भी चाहता है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

» अंतिम दिन तीसरा टेस्ट ड्रॉ कराया भारत ने, श्रृंखला 1-1 से बराबर

भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया सिडनी टेस्ट : हनुमा और अश्विन ने जमाये पांव, भारत ने मैच ड्रा कराया

सिडनी। (एजेंसी)

चेतेश्वर पुजारा और ऋषभ पंत की शतकीय साझेदारी टूटने से जीत की उम्मीदें धूमिल पड़ने के बाद हनुमा विहारी और रविचंद्रन अश्विन ने क्रीज पर पांव जमाये जिससे भारत सोमवार को यहां तीसरा टेस्ट क्रिकेट मैच ड्रा कराकर आस्ट्रेलिया पर मनोवैज्ञानिक बढ़त हासिल करने में सफल रहा। विहारी ने पांव की मांसपेशियों में खिंचाव आने के बावजूद अश्विन के साथ अंतिम सत्र में ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों की हर रणनीति को नाकाम करके उसकी जीत की उम्मीदों पर पानी फेरा। हनुमा ने लगभग चार घंटे क्रीज पर बिताकर अपने नाबाद 23 रन के लिये 161 गेंदें खेली जबकि अश्विन ने 128 गेंदों पर नाबाद 38 रन बनाये। दोनों ने लगभग 42 ओवरों का सामना करके छठे विकेट के लिये 62 रन जोड़े। इससे पहले पुजारा ने 205 गेंदों पर 77 रन बनाये थे जबकि विहारी से पहले बल्लेबाजी के लिये भेजे गये पंत ने आक्रामक अंदाज दिखाकर 118 गेंदों पर 12 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 97 रन बनाये। इन दोनों ने चौथे विकेट के लिये 148 रन जोड़े। भारत ने 407 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए आखिर में 131 ओवरों में पांच विकेट पर 334 रन बनाये। जब मैच में एक ओवर बचा हुआ था तब दोनों टीमें ड्रा पर सहमत हो गयी।

ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 338 रन बनाये थे और दूसरी पारी छह विकेट पर 312 रन बनाकर समाप्त घोषित की। भारत ने पहली पारी में 244 रन बनाये थे। रोमांच की पराकाष्ठा पर पहुंचे इस मैच के ड्रा होने के बाद चार मैचों की श्रृंखला 1-1 से बराबरी पर है। अब ब्रिसबेन में 15 जनवरी से शुरू होने वाला चौथा और अंतिम टेस्ट मैच निर्णायक बन गया है। पुजारा जब दूसरे सत्र के आखिर में आउट हुए तब दिन के लगभग 43 ओवर बचे हुए थे। भारत लक्ष्य से 137 रन दूर था लेकिन रविंद्र जडेजा चोटिल थे और ऐसे में हमलावर तेवर अपनाने वाले आस्ट्रेलियाई गेंदबाजों के सामने पुछल्ले बल्लेबाजों को लाना बुद्धिमतापूर्ण नहीं होता। ऐसे में भारत ने ड्रा के लिये बल्लेबाजी की तथा विहारी और अश्विन ने टीम की रणनीति पर बखूबी अमल किया। आस्ट्रेलिया ने शार्ट पिच गेंदें की, लगातार अपील करके दबाव बनाया, गेंदबाजी में लगातार बदलाव किये लेकिन विहारी और अश्विन की एकाग्रता भंग नहीं हुई। केवल एक बार विहारी ने मौका दिया था लेकिन तब टिम पेन कैच लेने में नाकाम रहे। आस्ट्रेलियाई कप्तान ने इससे पहले पंत को भी दो जीवनदान दिये थे। भारत ने हालांकि कप्तान अंजिक्य रहाणे (चार) का विकेट सुबह दिन के दूसरे ओवर में गंवाने के बावजूद जीत की रणनीति अपनायी थी। यही वजह थी कि पुजारा को क्रीज पर पांव जमाने और पंत को अपने शॉट खेलने की छूट दी गयी थी। पंत और दुनिया के सर्वश्रेष्ठ आफ स्पिनर नाथन लियोन के बीच जंग दर्शनीय थी।

इसे भी पढ़ें- नस्लीय टिप्पणी पर भारत ने जाहिर की कड़ी प्रतिक्रिया, ढृष्ट ने मांगी रिपोर्ट

पंत ने शुरुआती लगभग 35 गेंद तक सतर्क रवैया अपनाया लेकिन फिर लियोन के खिलाफ कदमों का इस्तेमाल करते हुए लांग आन पर छक्का और तीन चौके मारे। टिम पेन ने इसके बाद लियोन का छोर बदला लेकिन पंत ने लांग आफ और लांग आन के ऊपर से उन पर दो और छक्के जड़ दिये। पुजारा ने भी इस आफ स्पिनर पर दो चौके मारे। पंत का भाग्य ने भी साथ दिया। लियोन की गेंद पर तीन और 56 रन के निजी स्कोर पर पेन ने उनके कैच छोड़े थे। लियोन हालांकि दूसरी नई गेंद से पंत को पवेलियन भेजने में सफल रहे। पंत ने शतक पूरा करने की कोशिश में बड़ा शॉट खेलने का प्रयास किया लेकिन स्पिन होती गेंद उनके बल्ले का बाहरी किनारा लेकर शॉर्ट थर्ड मैन पर खड़े पैट कमिंस के हाथों में चली गई।

पंत के आउट होने के बाद पुजारा ने कुछ अच्छे शॉट खेले लेकिन जोश हेजलवुड ने उन्हें बोल्ड करके उनकी धैर्यपूर्ण पारी का अंत किया। पुजारा ने अपनी पारी में 12 चौके लगाए। पुजारा के आउट होने के बाद विहारी की पैर की मांसपेशियों में भी खिंचाव आ गया, लेकिन इससे उनकी प्रतिबद्धता पर प्रभाव नहीं पड़ा। इस वजह से विहारी और अश्विन ने दौड़कर रन नहीं बनाये।इस बीच अधिकतर रन बाउंड्री से बने।

टीम इंडिया का प्रदर्शन देख खुश हुए सौरव गांगुली पुजारा, पंत की तारीफ की

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने सोमवार को आस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरा टेस्ट बचाने में चेतेश्वर पुजारा , ऋषभ पंत और रविचंद्रन अश्विन के प्रयासों की सराहना करते हुए टीम इंडिया से श्रृंखला जीतने का अनुरोध किया। पुजारा, अश्विन और पंत ने आखिरी दिन आस्ट्रेलिया के आक्रामक गेंदबाजी आक्रमण का डटकर सामना करते हुए मैच को ड्रॉ कराया।

गांगुली ने ट्वीट किया ,'' उम्मीद है कि अब सभी पुजारा, पंत और अश्विन की क्रिकेट टीमों में अहमियत समझेंगे। टेस्ट क्रिकेट में शानदार गेंदबाजी आक्रमण के सामने तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने का मतलब हमेशा बड़े शॉट खेलना नहीं होता। लगभग 400 टेस्ट विकेट ऐसे ही नहीं आते।'' उन्होंने कहा ,'' टीम इंडिया ने अच्छा जुझारूपन दिखाया। अब श्रृंखला जीतने का समय है।'' जीत के लिये 407 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पंत (97) और पुजारा (77) ने जीत की उम्मीद जगा दी थी। इन दोनों के आउट होने के बाद अश्विन (128 गेंद में नाबाद 39) और हनुमा विहारी (161 गेंद में नाबाद 23) ने आखिरी सत्र संभलकर खेला और मैच ड्रॉ कराया। चौथा टेस्ट शुक्रवार से ब्रिसबेन में शुरू होगा।

टेस्ट क्रिकेट में 6000 रन बनाने वाले 11वें भारतीय बने यह खिलाड़ी

सिडनी। स्टार बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा सोमवार को टेस्ट क्रिकेट में 6000 रन पूरे करने वाले 11वें भारतीय बने। अपना 80वां मैच खेल रहे पुजारा ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी क्रिकेट मैदान पर तीसरे टेस्ट के पांचवें और अंतिम दिन यह उपलब्धि हासिल की। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने इसके बाद सोशल मीडिया पर उन्हें बधाई दी। आईसीसी ने लिखा, ''चेतेश्वर पुजारा टेस्ट क्रिकेट में 6000 रन पूरे करने वाले 11वें भारतीय बल्लेबाज बने। कितने शानदार बल्लेबाज हैं वह।'' पुजारा से पहले भारतीय बल्लेबाजों में सचिन तेंदुलकर (15921), राहुल द्रविड़ (13265), सुनील गावस्कर (10122), वीवीएस लक्ष्मण (8781), वीरेंद्र सहवाग (8503), विराट कोहली (7318), सौरव गांगुली (7212), दिलीप वेंगसरकर (6868), मोहम्मद अजहरूद्दीन (6215) और गुंडप्पा विश्वनाथ टेस्ट क्रिकेट में 6000 से अधिक रन बना चुके हैं।

मैच ड्रॉ होने के बाद कप्तान अजिंक्य रहाणे ने जताई खुशी, ऐसे बनाई थी योजना

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच को ड्रा करने के बाद भारतीय कप्तान अजिंक्य रहाणे ने सोमवार को यहां कहा कि पांचवें दिन के खेल के पहले टीम की योजना नतीजे के बारे में सोचे बिना आखिर तक संघर्ष करने की थी। ऋषभ पंत (97) और चेतेश्वर पुजारा (77) के पवेलियन लौटने के बाद हनुमा विहारी और रविचंद्रन अश्विन ने शाम पूरे सत्र में बल्लेबाजी कर घरेलू टीम को जीत से दूर रखा। रहाणे ने मैच के बाद कहा, '' दिन का खेल शुरू होने से पहले हमने अपना जज्बा दिखाने और अंत तक संघर्ष करने के बारे में बात की थी। हम परिणाम के बारे में नहीं सोच रहे थे। जिस तरह से आज हमने संघर्ष किया खासकर पूरे मैच में उससे वास्तव में खुश हूं।'' उन्होंने कहा, ''पहली पारी में भी ऑस्ट्रेलियाई टीम दो विकेट पर 200 रन बनाकर अच्छी स्थिति में थी लेकिन हमने उन्हें 338 रन पर आउट करके वापसी की।'' रहाणे ने कहा कि पंत को हनुमा विहारी से पहले पांचवे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए इसलिए भेजा गया ताकि क्रीज पर बायें और दायें हाथ के बल्लेबाजों का संयोजन बनाया जा सके।

अंपायर के फैसले पर नाराजगी जताने पर आस्ट्रेलियाई कप्तान टिम पेन पर जुर्माना

दुबई। (एजेंसी)।

आस्ट्रेलियाई कप्तान टिम पेन पर भारत के खिलाफ सिडनी में तीसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन के खेल के दौरान अंपायर के फैसले पर नाराजगी जताने के लिये उनकी मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना किया गया है। पेन को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की आचार संहिता के खिलाड़ियों और खिलाड़ियों के सहयोगी स्टाफ से जुड़े अनुच्छेद 2.8 के उल्लंघन का दोषी पाया गया।

आईसीसी रविवार को जारी बयान में कहा, ''इसके अलावा पेन के अनुशासनात्मक रिकार्ड में एक 'डिमेरिट' अंक जोड़ दिया गया है। पेन की पिछले 24 महीनों में यह पहली गलती है। '' यह घटना भारत की पहली पारी के 56वें ओवर में घटी जब पेन ने चेतेश्वर पुजारा के खिलाफ डीआरएस की असफलता के बाद अंपायर के फैसले की आलोचना की थी। पेन ने जुर्माना स्वीकार कर लिया है और इस मामले में कोई औपचारिक सुनवाई नहीं होगी।

चौथे टेस्ट से बाहर हुए चोटिल विहारी,जडेजा की जगह ले सकते हैं यह खिलाड़ी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में भारत की फिटनेस समस्यायें बढती ही जा रही है और सिडनी में ड्रॉ रहे तीसरे टेस्ट के नायक हनुमा विहारी हैमस्ट्रिंग चोट के कारण ब्रिसबेन में चौथा टेस्ट नहीं खेल सकेंगे। समझा जाता है कि मैच के बाद विहारी को स्कैन के लिये ले जाया गया। इसकी रिपोर्ट मंगलवार की शाम तक आने की उम्मीद है। बीसीसीआई के एक सूत्र ने हालांकि बताया कि विहारी अगले मैच तक फिट नहीं हो सकेंगे जो 15 जनवरी से शुरू हो रहा है। आंध्र के इस खिलाड़ी ने 161 गेंद में 23 रन बनाकर आर अश्विन के साथ मिलकर मैच बचाया। एक सूत्र ने कहा ,'' स्कैन की रिपोर्ट आने के बाद ही विहारी की चोट के बारे में पता चल सकेगा लेकिन ग्रेड वन चोट होने पर भी उसे चार सप्ताह बाहर रहना होगा और उसके बाद रिहैबिलिटेशन से गुजरना होगा। सिर्फ ब्रिसबेन टेस्ट ही नहीं बल्कि इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला से भी वह बाहर रह सकते हैं।'' वैसे घरेलू श्रृंखला में भारतीय टीम एक अतिरिक्त गेंदबाज को लेकर उतरना पसंद करती है लिहाजा विहारी के अंतिम एकादश में चुने जाने की संभावना कम ही थी। उनकी जरूरत इंग्लैंड दौरे पर पड़ेगी जहां अंतिम ग्यारह में एक अतिरिक्त बल्लेबाज की जरूरत होगी। विहारी के विकल्प के तौर पर रिधिमान साहा को विकेटकीपर के तौर पर और ऋषभ पंत को बल्लेबाज के तौर पर उतारा जा सकता है या मध्यक्रम में मयंक अग्रवाल को जगह दी जा सकती है। पंत ने भी 97 रन की पारी खेली थी। समझा जाता है कि बल्लेबाजी जारी रखने के लिये विहारी और पंत दोनों को दर्दनिवारक दवायें दी गई थी। वहीं ब्रिसबेन में रविंद्र जडेजा की जगह शारदुल ठाकुर ले सकते हैं। जडेजा भी चोटिल हैं।

भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया : ब्रिसबेन में ही होगा चौथा टेस्ट, स्टेडियम में केवल 50 प्रतिशत दर्शकों को आने की अनुमित

सिडनी। (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम मंगलवार को ब्रिसबेन के लिए रवाना होगी क्योंकि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह के क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) को दिए आश्वासन के बाद क्वीन्सलैंड की राजधानी में 15 जनवरी से चौथे और अंतिम टेस्ट की मेजबानी को लेकर अनिश्चितता खत्म हो गई है। ब्रिसबेन में हालांकि क्षमता के 50 प्रतिशत दर्शकों को ही आने की इजाजत होगी। बीसीसीआई ने सीए को ब्रिसबेन में कड़े पृथकवास नियमों से राहत देने के संदर्भ में लिखा था क्योंकि इसके कारण भारतीय टीम को होटल में ही रहना पड़ता जिसे लेकर खिलाड़ियों को आपत्ति थी। सीए के अंतरिम सीईओ निक हॉकले ने बयान में कहा, ''मैं सहयोग और योजना के अनुसार चौथे टेस्ट के आयोजन के लिए सीए तथा बीसीसीआई के साथ काम करने की इच्छा के लिए क्वीन्सलैंड सरकार को धन्यवाद देना चाहता हूं।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन अधिक महत्वपूर्ण उस योजना पर चलना है जिसमें खिलाड़ियों, मैच अधिकारियों और समुदाय की सुरक्षा और बेहतरी शीर्ष प्राथमिकता है।''

पिछले एक हफ्ते में बीसीसीआई के सूत्रों ने पीटीआई को पुष्टि की थी कि उन्होंने कभी आयोजन स्थल में बदलाव की मांग नहीं की लेकिन यह जरूर कहा था कि लगातार दो कडे पृथकवास खिलाड़ियों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए आदर्श नहीं हैं। खिलाड़ियों के लिए अब इंडियन प्रीमियर लीग की तरह के जैविक रूप से सुरक्षित माहौल की उम्मीद है जहां वे होटल के अंदर एक दूसरे से मिल सकते हैं। यह समस्या उस समय खड़ी हुई जब क्वीन्सलैंड ने सिडनी में कोविड-19 संक्रमण के नए मामलों को देखते हुए न्यू साउथ वेल्स से आने वाले लोगों के लिए अपनी सीमा बंद कर दी। भारतीय खिलाड़ियों को इससे छूट दी गई थी लेकिन उन्हें कड़े पृथकवास नियमों का सामना करना था। मैच को लेकर अनिश्चितता उस समय बढ़ गई जब शहर में ब्रिटेन से आए नए कोविड-19 संक्रमण का मामला मिला और पिछले हफ्ते तीन दिवसीय लॉकडाउन की घोषणा की गई। मैच को लेकर स्थिति स्पष्ट होने के बाद सीए ने दर्शकों की क्षमता की घोषणा की।

सीए ने विज्ञप्ति में कहा, ''क्वीन्सलैंड स्वास्थ्य और क्वीन्सलैंड सरकार की सलाह पर चलते हुए क्रिकेट आस्ट्रेलिया और स्टेडियम्स क्वीन्सलैंड 15 जनवरी से ब्रिसबेन टेस्ट के लिए पहुंचने वाले लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक साथ काम कर रहे हैं और इस दौरान गाबा में दर्शकों की कुल क्षमता के 50 प्रतिशत दर्शकों को ही आने की स्वीकृति होगी।'' उन्होंने कहा, ''सामाजिक दूरी के नियमों के अनुसार बैठने की योजना से दर्शकों की संख्या में कटौती होगी, अब मैच के टिकटों को दोबारा बेचा जाएगा और मौजूदा टिकट धारकों को पूरा पैसा वापस मिलेगा जिसमें टिकट बीमा सहित सभी खर्चे शामिल हैं।'' क्वीन्सलैंड के खेल मंत्री स्टर्लिंग हिंचलिफ ने कहा कि इस बड़े मैच के आयोजन को लेकर पूरा प्रांत उत्साहित है। हिंचलिफ ने कहा, ''गाबा की तेज और उछाल वाली पिच आस्ट्रेलियाई क्रिकेट के मजबूत किले के रूप में इसे प्रशंसकों की पसंदीदा बनाती है।' गाबा के महाप्रबंधक मार्क जुंडास ने ब्रिसबेन में संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''हम यहां भारत और आस्ट्रेलिया की क्रिकेट टीमों का टेस्ट मैच के लिये स्वागत करने को लेकर उत्साहित हैं। स्टेडियम की क्षमता के 50 प्रतिशत दर्शकों को अनुमति देने का फैसला किया गया है। ''उन्होंने कहा, ''लोगों को मास्क पहनने होंगे। जो बिना मास्क के होगा उसे प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

नस्लीय टिप्पणी पर भारत ने जाहिर की कड़ी प्रतिक्रिया, आईसीसी ने मांगी रिपोर्ट

सिडनी/नयी दिल्ली। भारतीय क्रिकेटरों विशेषकर तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टेस्ट क्रिकेट मैच में लगातार दूसरे दिन नस्ली टिप्पणियों का सामना करना पड़ा जिसके कारण चौथे दिन का खेल कुछ समय के लिये रुका रहा, कुछ दर्शकों को बाहर किया गया और क्रिकेट जगत ने इसकी कड़ी भर्त्सना की। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सूत्रों के अनुसार सिराज के लिये 'ब्राउन डॉग' और 'बिग मंकी' कहा गया। सिराज के पिता का हाल में निधन हुआ था और वह अब भी गमजदा हैं। पहली बार ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर गया यह 26 वर्षीय खिलाड़ी नियमों का पालन करते हुए तुरंत ही कप्तान अजिंक्य रहाणे और मैदानी अंपायरों के पास गया और उन्हें घटना से अवगत कराया। इससे खेल 10 मिनट तक रुका रहा। सुरक्षाकर्मियों को बुलाया गया जिन्होंने छह दर्शकों को स्टेडियम से बाहर कर दिया। इससे पहले शनिवार को नशे में धुत एक व्यक्ति ने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और सिराज के लिये अपशब्दों का उपयोग किया था।

बीसीसीआई पहले ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के मैच रेफरी डेविड बून के पास इसकी शिकायत कर चुका है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के इंटिग्रिटी एवं सुरक्षा प्रमुख सीन केरोल ने कहा,''श्रृंखला का मेजबान होने के नाते हम भारतीय क्रिकेट टीम में अपने मित्रों से माफी मांगते हैं और उन्हें आश्वासन देते हैं कि हम इस मामले में कड़ी कार्रवाई करेंगे।'' उन्होंने कहा, ''अगर आप नस्ली अपशब्द का इस्तेमाल करते हो तो आस्ट्रेलियाई क्रिकेट में आपका स्वागत नहीं है। सीए को शनिवार को सिडनी क्रिकेट मैदान पर की गई शिकायत के मामले में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी)की जांच के नतीजे का इंतजार है।'' केरोल कहा, ''जिम्मेदार लोगों की पहचान होने के बाद सीए अपनी उत्पीड़न रोधी संहिता के तहत कड़े कदम उठाएगा जिसमें लंबे प्रतिबंध और न्यू साउथ वेल्स पुलिस के पास मामला भेजना भी शामिल है।'' भारतीय बोर्ड की तरफ से बीसीसीआई सचिव जय शाह ने पहले आधिकारिक टिप्पणी की और कहा, ''हमारे इस खेल और हमारे समाज में नस्लवाद के लिये कोई स्थान नहीं है। '' उन्होंने ट्वीट किया, ''मैंने क्रिकेट आस्ट्रेलिया के अधिकारियों से बात की और उन्होंने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

बीसीसीआई और क्रिकेट आस्ट्रेलिया दोनों एक साथ हैं। भेदभाव की ऐसी हरकतों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। '' शाह ने अपने ट्वीट में बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली को भी टैग किया जो एंजियोप्लास्टी करवाने के बाद उससे उबर रहे हैं। दुबई में आईसीसी ने भी बयान जारी करके इन घटनाओं की कड़ी निंदा की और सीए से कार्रवाई की रिपोर्ट मांगी। सीनियर ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने दिन का खेल समाप्त होने के बाद ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भारतीय खिलाड़ियों ने पहले भी सिडनी में नस्लवाद का सामना किया है। अश्विन ने कहा, ''यह ऑस्ट्रेलिया का मेरा चौथा दौरा है। खासकर सिडनी में हमें अतीत में भी इसका सामना करना पड़ा है।'' उन्होंने कहा, ''एक या दो बार खिलाड़ियों ने इस पर प्रतिक्रिया दी और वे मुश्किल में फंस गये क्योंकि वे खिलाड़ी हैं। लेकिन दर्शक जिस तरह की टिप्पणी कर रहे थे वह कहीं से सही नहीं था। मैंने खुद भी इसका सामना किया है। वे अपशब्दों का इस्तेमाल करते है। मुझे नहीं पता वे ऐसा क्यों करते हैं। ''

10 महीने बाद टेनिस कोर्ट में उतरेंगी पीवी सिंधू और साइना नेहवाल, ओलंपिक क्वालीफिकेशन की उम्मीद

बैंकॉक। (एजेंसी)।

कोरोना वायरस महामारी के कारण लगभग 10 महीनों तक अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर प्रभावित होने के बाद भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू और साइना नेहवाल मंगलवार से शुरु होने वाले योनेक्स थाईलैंड ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट से प्रतिस्पर्धी मुकाबले में वापसी करेंगी। टूर्नामेंट में चीन और जापान के खिलाड़ी भाग नहीं ले रहे है जिससे इसकी चमक थोड़ी फीकी पड़ी है। ओलंपिक चैम्पियन सिंधू पिछले दो महीने से लंदन में अभ्यास कर रहीं थी तो वहीं साइना कोविड-19 से उबरने के बाद जल्द ही लय हासिल करना चाहेंगी। वह जैव-सुरक्षित माहौल में मंगलवार से होने वाले टूर्नामेंट में अपनी फिटनेस को भी परखेंगी। पिछले साल मार्च में ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के बाद बीडब्ल्यूएफ ने सत्र को निलंबित कर दिया था। जिसके बाद अक्टूबर में हुए डेनमार्क ओपन सुपर 750 और सारलोरक्स सुपर 100 में सिंधू और साइना ने भाग नहीं लिया था। योनेक्स थाईलैंड ओपन (12 से 17 जनवरी) और टोयोटा थाईलैंड ओपन (19 से 24 जनवरी) के अलावा एचएसबीसी बीडब्ल्यूएफ (विश्व बैडमिंटन संघ) विश्व टूर फाइनल्स (27 से 31 जनवरी) का हिस्सा नहीं होंगे। इन तीनों टूर्नामेंटों के साथ कोरोना वायरस महामारी से प्रभावित 2020 का सत्र खत्म होगा। चीन और जापान के खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में सिंधू और साइना की राह थोड़ी आसान जरूर होगी।

थाईलैंड में कोविड-19 के मामले बढ़ने के बाद चीन ने इससे हटने का फैसला किया तो वही विश्व नंबर एक खिलाड़ी केंतो मोमोता के कोरोना जांच में पॉजिटिव आने के बाद जापान आखिरी समय में टूर्नामेंट से हट गया। विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर काबिज सिंधू अपने अभियान का आगाज डेनमार्क की मिया ब्लिचफेल्डट के खिलाफ करेंगे तो वही विश्व रैंकिंग में 20वें स्थान पर काबिज साइना को पहले दौर में नोजोमी ओकुहारा का सामना करना था लेकिन अब वह मलेशिया की किसोना सेल्वदुरे से भिड़ेगी। विश्व चैम्पियन सिंधू का ब्लिचफेल्डट के खिलाफ 3-0 का रिकार्ड है।

पुरुष एकल में सात भारतीय खिलाड़ी चुनौती पेश करेंगे जिसमें पूर्व विश्व नंबर एक किदांबी श्रीकांत, ओलंपिक कोटा हासिल करने वाले साई प्रणीत और एच एस प्रणय शामिल है। विश्व रैंकिंग में 14वें स्थान पर काबिज श्रीकांत भारतीय खिलाड़ी सौरभ वर्मा के खिलाफ अपना अभियान शुरु करेंगे जबकि 13वें स्थान पर काबिज प्रणीत पहले दौर में स्थानीय खिलाड़ीकांताफॉन वांगचारोएन का सामना करेंगे। एचएस प्रणय मलेशिया के आठवें वरीयता प्राप्त ली जी जिया से भिड़ेंगे। राष्ट्रमंडल खेलों के पूर्व चैंपियन पारुपल्ली कश्यप कनाडा के जेसन एंथनी के खिलाफ अपना अभियान

शुरू करेंगे। समीर वर्मा इंडोनेशिया के शेसार हिरेन के खिलाफ पहले दौर में खेलेंगे। तोक्यो ओलंपिक का टिकट हासिल करने वाली सात्विकसाइराज रंकिरेड्डी एवं चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी कोरिया की किम जि जुंग एवं ली योंग डेई के खिलाफ कोर्ट में उतरेंगी। अश्विनी पोनप्पा और एन सिक्की रेड्डी की महिला युगल जोड़ी कोरिया की चौथी वरीयता प्राप्त किम सो योंग एवं कोंग ही योंग की जोड़ी के खिलाफ पहले दौर में खेलेगी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ठंडे मौसम का गर्म फैशन

"विंटर में आप मोनोक्रोम ड्रेसेस (सिंगल कलर की ड्रेस) या मिक्स एण्ड मैच दोनों तरह की ड्रेसिंग स्टाइल को ट्राय कर सकते हैं। मिनी स्कर्ट के साथ लैगिंग्स का कॉम्बिनेशन लुक में लाजवाब होता है। लैगिंग्स के फेब्रिक में चैंज चाहने वाले फैशन प्रेमी ऊनी लैगिंग्स भी ट्राय कर सकते हैं।

ठंड ने न केवल दस्तक दे दी है बल्कि यह अपना असर भी दिखाने लगी है। फैशन के लिहाज से यह मौसम युवाओं के लिए अनुकूल होता है। और इसमें में भी यदि बात वूलन फैशन की हो तो क्या कहने। लेदर के साथ ही युवाओं में वूलन के प्रति क्रेज बना हुआ है। प्रस्तुत हैं वूलन फैशन को लेकर कुछ उपयोगी जानकारियां:-

➢वूलन बहुत ही ड्यूरेबल होते हैं। इनमें इतने कलर्स और डिफरंट पैटर्न की डिजाइन उपलब्ध हैं कि इन्हें ट्राई कर आप अपना एक बहुत ही सॉफ्ट, हॉट और स्टाइलिश फैशन स्टेटमेंट बना सकते हैं। चाहे मफलर हो, स्वेटर हो या फिर कैप ही क्यों न हो ये खूबसूरत लगते हैं।

इसलिए अपने रंग के अनुसार कलर चुनें और अपनी सुविधा का सबसे ज्यादा खयाल रखें। यानी फैशन का अंधानुकरण न करें। जो आप पर फबे, जचे और सुविधाजनक लगे वही फैशन अपनाएं।

➢ आप स्वेटर खरीदें या मफलर ये जरूर देख लें कि फेब्रिक की कम्पोजिशन क्या है। लेबल देखें। सही साइज देखें और सुनिश्चित कर लें कि यह आपके लिए सूटेबल है।

➢ यह ध्यान से देखें कि आप जो खरीद रहे हैं वह वेल मेड है कि नहीं। टॉप स्टीचिंग इवन होने चाहिए। लाइनिंग में पिकरिंग न हो। और किसी भी तरह का कोई लूज थ्रेड न हो। इन बातों का खास खयाल रखें।

➢आप जिस फेब्रिक को खरीद रहें, क्या वह पहनने और चलने के बाद नाइसली फ्लो हो रहा है? क्या फेब्रिक का वेट आपको ठीक लग रहा है?

➢ ध्यान रखें कि आपने जो भी चीज खरीदी है वह आपकी बॉडी अगेंस्ट फील गुड करा रही है या नहीं। वह चुभने वाली या गड़ने वाली न हो।

वूलन में देखिए फील गुड फैक्टर

स्कर्ट के साथ शार्ट जैकेट की बजाय थ्री फोर्थ या लांग जैकेट पहनें। लांग जैकेट को आप साड़ी सूट, शर्ट आदि के साथ भी पहन सकते हैं। शॉल की बजाय स्टोल लुक व उपयोग दोनों के लिहाज से बेहतर माने जाते हैं।

इस सीजन में दो डिफरेंट रंगों के कॉम्बिनेशन को ट्राय करें। अर्दी शेड वाली ड्रेस पर ब्राइट कलर का फंकी जैकेट या स्कार्फ ट्राय करें।

एक्सपर्ट व्यू

विंटर में जंपर्स का कोई विकल्प नहीं है। कूल और कंफर्टेबल जंपर्स को आप कोट के साथ भी पहन सकते हैं। ब्लैक कोट का फैशन इस बार भी विंटर में इन रहेगा। ब्लैक कोट के साथ आप ऑरेंज, रेड और ग्रीन कलर का स्कार्फ या मफलर ट्राय कर ट्रेंडी लुक पा सकते हैं। फेब्रिक में शिमर के साथ ही मैटल और प्लास्टिक शाइन वाले फेब्रिक्स को ट्राय किया जा सकता है। पोल्का डॉट्स, अलग-अलग नेक पैटर्न्स वाले फर और फेदर के जैकेट, एनिमल प्रिंट्स आदि की डिमांड इस सीजन में खूब रहेगी।

इक बंगला बने न्यारा...

नए घर का निर्माण, वास्तु के अनुसार

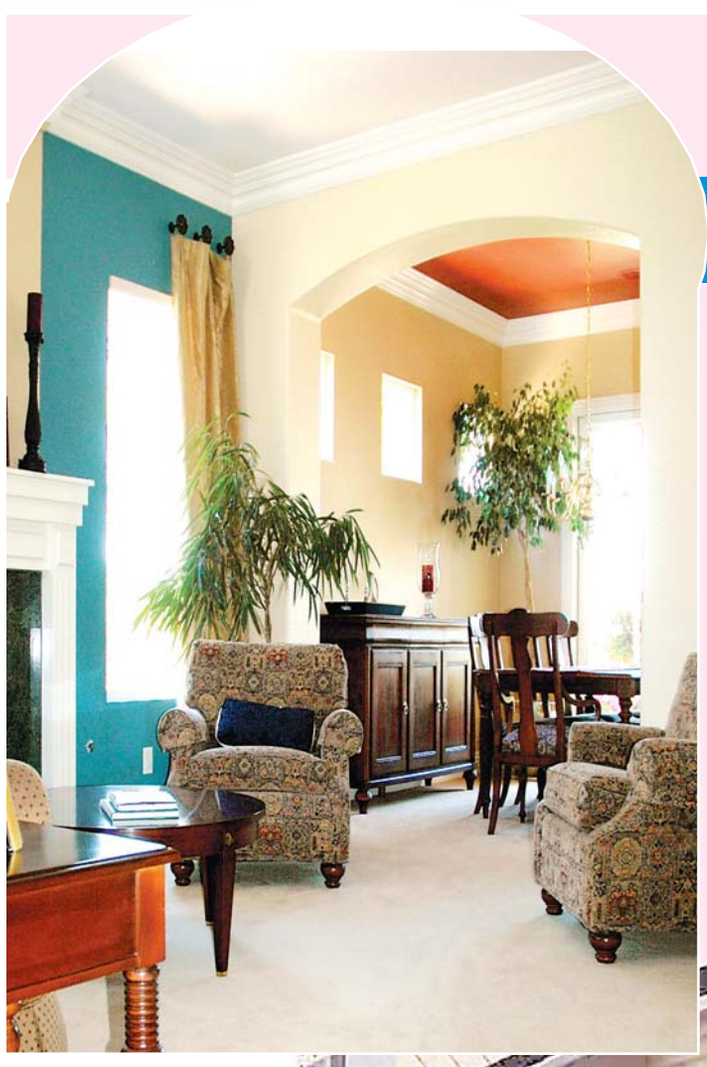

- भूखंड पर किसी भी प्रकार का जल संसाधन लगवाना हो तो इसके लिए सदैव (हैण्डपम्प, कुंआ, जेटपम्प आदि के लिए) उत्तर-पूर्व दिशा अर्थात ईशान कोण ही सही रहता है।
- भवन में खिड़कियां तथा रोशनदानों के निर्माण का प्रमुख उद्देश्य घर में शुद्ध वायु का आगमन है।
- खिड़कियां तथा रोशन दानों का निर्माण सदैव दरवाजे के पास ही करें।
- दरवाजे के सामने या बराबर में खिड़कियां होने से चुंबकीय चक्र पूर्ण हो जाता है, जिससे भवन में सुख-शांति का वास होता है।
- खिड़की तथा रोशनदानों के निर्माण के लिए पूर्व, पश्चिम तथा उत्तर दिशा श्रेष्ठ एक शुभ फलदायक होती है।
- वायु प्रदूषण से बचाव के लिए घरों में शुद्ध वायु जिन दिशाओं से प्रवेश करे उनके विपरीत दिशाओं में एक्जॉस्ट फैन लगवाएं।
- भवन के उस भाग में जहां दो दीवारें मिलती हैं, खिड़कियां तथा रोशनदानों का निर्माण वहां न करवाएं। यह अशुभकारी निर्माण होता है।
- जब कोई व्यक्ति मुख्यद्वार में प्रवेश करता है तो मुख्य द्वार से निकलने वाली चुम्बकीय तरंगें उसकी बुद्धि को प्रभावित करती हैं।
- द्वार का भी सही दिशा में बनवाना आवश्यक है।
- प्रवेश द्वार सदैव अंदर की ओर खुलना चाहिए।
- प्रवेश द्वार दो पल्लों में हो तो बहुत ही उत्तम है।
- द्वार स्वत: ही खुलना व बंद होना नहीं चाहिए।

जायकेदार बादाम-पिस्ते का हलवा

समग्री:- 100 ग्राम बादाम गिरी, 100 ग्राम पिस्ता, 150 ग्राम सूखी मलाई, 125 ग्राम मावा, 300 ग्राम शक्कर, 3-4 केसर लच्छे, हरी इलायची पावडर आधा चम्मच, 1 बड़ा चम्मच गुलाब जल, 125 ग्राम देशी घी।

विधि:- सर्वप्रथम मावे को दबा कर छलनी से मोटा-मोटा छान लें और मलाई की पतली स्ट्रिप्स काट लें। हलवा बनाने से 6-8 घंटे पूर्व बादाम पानी में भिगो दें।

तत्पश्चात बादाम के छिलके उतार कर मिक्सी में पीस लें। अब पिस्ता भी रवेदार पीस लें। कड़ाही में घी गरम कर बादाम को पानी सूख जाने तक भूनें। फिर पिस्ता डालकर तब तक सेकें, जब तक सिंकने की खुशबू न आए। अब इसमें मावा मिलाएं और थोड़ी देर और सेंक लें। मलाई डालकर 5 मिनट सेंकें। जब सिंकने की खुशबू आने लगे तब आंच से उतारें और केसर-इलायची व गुलाब जल मिला दें। शक्कर की 2 तार की चाशनी बना लें, इसमें मिश्रण डालें और गरमा-गरम मेवे का हलवा पेश करें।

पौष्टिक बादाम मिल्क

सामग्री:- एक लीटर गाढ़ा दूध, 25 भीगे हुए बादाम, 100 चम्मच चीनी, आधा चम्मच इलायची पावडर, केसर कुछेक लच्छे।

विधि:- रात को भिगोए हुए बादाम का छिलका निकाल कर उसे मिक्सी में महीन पीस लें। एक कटोरी में थोड़ी मात्रा में दूध लेकर उसमें केसर भिगो दें। दूध को थोड़ी देर तक उबालें, फिर उसमें बादाम का पेस्ट मिलाइए। दूध को धीरे-धीरे हिलाते रहें ताकि वो तले पर चिपके नहीं। बादामयुक्त दूध को 20-25 मिनट तक पकाएं, फिर शक्कर डालें और थोडी देर तक पकाएं। अब इलायची और केसर घोल मिलाएं। गिलासों में भरकर बादाम का पौष्टिक दूध पेश करें। प्रचुर मात्रा में आयरन और कैल्शियम वाला यह दूध आपके शरीर के लिए फायदेमंद है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जब बच्चों की मस्ती हर पल आसमान में उड़ती दिखे तो समझो पतंग उड़ाने के दिन आ गए हैं। दुकानें और बाजार भी तो पतंगों से सजने लगे हैं। अब हर शाम पतंगें पेंच लड़ाएंगी और खुशियां चरखी, सद्दी, मांजा, ढील दे और आई बो काटा की आवाज में पूरे आसमान में गूंजेंगी, और क्या होगा, जानते हैं...

मेरी पतंग बड़ी मतवाली

बड़े-बड़े पतंगबाज

यदि तुम्हें यह लगता है कि पतंग के इस खेल पर तुम बच्चों का ही अधिकार है तो तुम गलत हो। दुनियाभर में जितने अधिक बच्चे इसके दीवाने हैं, उससे कहीं अधिक संख्या बड़े पतंगबाजों की है। राजा-नवाब भी इसके शौक से दूर नहीं थे। उनके लिए महलों की छतों पर पतंग उड़ाने के लिए खास इंतजाम किए जाते थे। मुगल राजाओं के समय पतंगबाजी को खूब पसंद किया जाता था। उसके बाद लखनऊ, रामपुर और हैदराबाद के नवाबों में भी इसका खुमार चढ़ा। ये लोग अपनी पतंगों के साथ अशर्फियां बांधकर उड़ाते थे। जिन घरों पर ये पतंगें टूट कर गिरती थीं, उन घरों में खुशियां मनायी जाती थीं। पतंग की खोज कब और किसने की, इस बात की निश्चित तिथि तो किसी को पता नहीं, पर इसकी शुरुआत लगभग दो हजार वर्ष पहले चीन में मानी जाती है। कहा जाता है कि पहली पतंग एक चीनी दार्शनिक मो जी ने बनाई थी। उसके बाद पतंगबाजी का यह खेल विभिन्न देशों में फैलता चला गया।

भारत में कहां-कहां

यदि तुम्हें लगता है कि पतंग केवल 15 अगस्त के दिन ही उड़ायी जाती है तो तुम गलत हो। 15 अगस्त पर पतंगें दिल्ली में उड़ायी जाती हैं। यहां तक कि लाल किला मैदान में भी लोग इकट्ठे होकर पतंगें उड़ाते हैं और आजादी का जश्न मनाते हैं। हरियाणा में पतंगें तीज पर, पंजाब में बैसाखी पर, गुजरात, बिहार में मकर संक्रांति पर, उत्तर प्रदेश में वसंत पंचमी व मकर संक्रांति के अलावा दिवाली के अगले दिन भी खूब उड़ायी जाती हैं।

यहां लगते हैं पतंगों के मेले

पतंग उड़ाना दुनिया के कई देशों में लोकप्रिय खेल माना जाता है। खासतौर पर चीन, जापान, भारत, इंडोनेशिया और अमेरिका में हर साल इंटरनेशनल काइट फेस्टिवल्स का आयोजन किया जाता है, जहां दुनियाभर के पतंगबाज तरह-तरह की पतंगों से अपनी पतंगबाजी का हुनर दिखाते हैं। हर साल कई रिकॉर्ड बनते हैं।

जापान काइट फेस्टिवल

जापान में यह फेस्टिवल हर साल मई माह के पहले वीक में हमामात्सु शहर में आयोजित किया जाता है। इस समय यहां का साफ चमकता नीला आसमान एक दूसरे की पतंगों से पेंच लड़ाते पतंगबाजों का युद्ध का मैदान बन जाता है। हजारों की संख्या में बच्चे, महिलाएं और पुरुष अपने रंग-बिरंगे हैप्पी कोट्स में पतंग उड़ाने का मजा लेते हैं। इस महोत्सव के दौरान फेस्टिवल म्यूजियम तक पहुंचने के लिए हमामात्सु रेलवे स्टेशन से पब्लिक ट्रांसपोर्ट की खास व्यवस्था की जाती है।

चीन काइट फेस्टिवल

चीन में हर साल अप्रैल माह में वाइफैंग शहर में काइट फेस्टिवल लगाया जाता है। यहां चीन के साथ-साथ दुनियाभर से पतंग के शौकीन इकट्ठे होते हैं। यहां खास तरह की हैंडीक्राफ्ट पतंगें देखने को मिलती हैं। सप्ताहभर चलने वाले इस पतंगों के त्योहार में पूरे शहर को रंग-बिरंगी लालटेन और स्टीमर्स से सजाया जाता है। वाइफैंग काइट म्यूजियम दुनियाभर में सबसे बड़े म्यूजियमों में से एक है।

जकार्ता काइट फेस्टिवल

यह इंडोनेशिया का सबसे प्रसिद्ध और पुराना फेस्टिवल है। यह हर साल जुलाई के महीने में दो दिन तक आयोजित किया जाता है। चीन, जापान, मलेशिया और नीदरलैंड से पतंगबाज इसमें शामिल होने के लिए आते हैं। यहां की बड़ी-बड़ी ड्रेगन काइट खास आकर्षण का केंद्र होती हैं।

वॉशिंगटन स्टेट इंटरनेशनल काइट फेस्टिवल

नॉर्थ अमेरिका के वॉशिंगटन शहर का यह सबसे लोकप्रिय आयोजन है। अगस्त के तीसरे वीक में सात दिन तक चलने वाला यह कार्यक्रम हर साल लॉन्गबीच पेनिन्सुला में आयोजित किया जाता है। इसे देखने के लिए जितनी बड़ी संख्या में दर्शक जुटते हैं, उतने ही उत्साह से देश और विदेश के पतंगबाज भी अपने कौशल को दिखाने के लिए यहां आते हैं। काइट ट्रेड एसोसिएशन इंटरनेशनल द्वारा इसे दुनियाभर में सबसे अच्छे काइट फेस्टिवलों में से एक माना गया है।

अहमदाबाद इंटरनेशनल फेस्टिवल

यूं तो भारत में पतंगें किसी एक खास चौक या नदी के किनारों पर ही नहीं, हर गली-मोहल्ले में उड़ती देखी जा सकती हैं, पर जिस काइट फेस्टिवल की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान है, वह है गुजरात के अहमदाबाद में आयोजित होने वाला इंटरनेशनल काइट फेस्टिवल। यह मकर संक्रांति के अवसर पर यानी 13 जनवरी से शुरू होता है। यह आयोजन तीन दिन तक चलता है। इन दिनों पूरे गुजरात की चहल-पहल सिमट कर अहमदाबाद में अपने रंग दिखाने लगती है। विदेशों के पतंगबाज भी इसमें शामिल होते हैं।

पतंगें ऐसी भी..

कागज का अविष्कार होने से पहले से पतंग उड़ायी जाती रही हैं। कहते हैं कि लगभग 3000 साल पहले उड़ायी गयी पहली पतंग पत्तियों से बनी थी। सन् 1883 में इंग्लैंड के डगसल आकिवेल्ड ने पतंगों के जरिए 1200 फीट की ऊंचाई पर बहती हवा की गति मालूम की थी। कहते हैं कि 1901 में मार्कोनी ने एक हैक्सागन यानी छह भुजाओं वाली पतंग का प्रयोग अटलांटिक महासागर के पार सिग्नल भेजने के लिए किया था। यदि तुम यह मानते हो कि पतंग उड़ाना बच्चों का खेल है, तो यह जानकर हैरानी होगी कि पतंग उड़ाने वालों में बच्चों से कहीं अधिक संख्या बड़ की है। हर साल उत्तरी अमेरिका में लगभग 5 करोड़ पतंगों की बिक्री होती है। ऐसा कहा जाता है कि दुनिया के किसी न किसी हिस्से में हर सप्ताह कम से कम एक पतंगों का त्योहार मनाया जाता है। थाईलैंड में होने वाली पतंगबाजी में 78 नियमों का पालन करना पड़ता है। ओरिएंट में लोग खुशियां, सौभाग्य और अच्छे स्वास्थ्य की शुभकामना के प्रतीक के रूप में एक-दूसरे को पतंग भेंट करते हैं। जापान में 1760 में पतंग उड़ाने पर बैन लगा दिया गया था। इसका कारण था कि लोग काम करने से ज्यादा समय पतंग उड़ाने में बिताते थे।

हिमालय के ये अद्भुत पक्षी

हिमालय पर्वत पर छोटी और सुंदर सी धोबिन पक्षी चहकती मिलती है। यह अन्य समतुल्य पक्षियों के अंडों पर हाथ साफ करती है। पक्षियों का हिमालय पर्वत से बड़ा घनिष्ठ संबंध है। कुछ पक्षी स्थायी रूप से हिमालय पर ही रहते हैं। वे कभी नीचे मैदानों में नहीं आते और पर्वत श्रृंखला पर ही अपना घोंसला बनाते हैं। इन पक्षियों के नाम चीरडू, कोकलास, कालिज, मीनल आदि हैं। मैदानों के पक्षी तोता, मैना, कोयल, गौरैया आदि समय-समय पर पहाड़ों के ऊपर छोटे-छोटे पेड़ों पर अपना घोंसला बनाती हैं। वहीं प्रजनन क्रिया संपन्न करती हैं। जब बच्चे उड़ने लगते हैं तो उन्हें साथ लेकर उन्मुक्त उड़ने लगती हैं। वे महीनों यहां एक ही स्थान पर रहती हैं। इन पक्षियों के नाम चीरडू, कोकलास, कालिज, मीनल आदि हैं। मैदानों के पक्षी तोता, मैना, कोयल, गौरैया आदि समय-समय पर पहाड़ों के ऊपर छोटे-छोटे पेड़ों पर अपना घोंसला बनाती हैं। वहीं प्रजनन क्रिया संपन्न करती हैं। जब बच्चे उड़ने लगते हैं तो उन्हें साथ लेकर उन्मुक्त उड़ने लगती हैं। वे महीनों यहां एक ही स्थान पर रहती हैं। इन्हें देखकर ऐसा लगता है मानो ये यहां की बारहमासी चिड़िया हो। इनके पांव में छल्ले पहनाकर यह देखा गया कि ये हर साल निश्चित स्थान पर आती हैं। इनके पेट के नीचे का रंग सफेद और गला काला होता है। प्रकृति की विचित्र लीला है कि ये साल में अनेक बार अपना रंग बदलती हैं। झीलों, तालाबों और नदियों के किनारे ये झुंड बनाकर उछलती-कूदती रहती है। वहीं जल क्रीड़ा करती हैं। शायद इसीलिए इनका नाम धोबिन पड़ा है। ये पक्षी प्रवासी हैं, फिर भी इस देश में इनका महत्व और लोकप्रियता सर्वोपरि है। ऐसा लगता है, मानो यह हमारे देश का ही पक्षी है। जब सहेली चली जाती हैं, तो हमारा घर-आंगन, बाग-बगीचे सूने और उजाड़ से लगने लगते हैं।

जोकर की हंसी है बड़ी पुरानी

बात जोकर की हो और डैन राइस का जिक्र न हो, यह कैसे हो सकता है। जी हां! डैन राइस ही वो शख्स हैं, जिन्होंने अंकल सैम जैसे मशहूर किरदार का परिचय दुनिया से कराया। राइस का हास्य पैदा करने का तरीका एकदम जुदा था, वे समकालीन घटनाओं से हास्य निकाल लेते थे। लेकिन 19वीं शताब्दी के मध्य में रेडियो और फोटोग्राफ के बाजार में आने के बाद जोकर भी सुरीला हो चुका था। वह अब खुद संगीत तैयार कर दर्शकों के सामने मधुर हास्य परोसता था। इतना ही नहीं, अब तरह-तरह के जोकर मनोरंजन के लिए तैयार थे। चाहे वो चेहरे पर सफेद रंग लगाए हुए जोकर का परम्परागत रूप हो या फिर लाल चेहरे वाले ढीले-ढाले कपड़े पहने हुए ऑगस्ते जोकर। इसके अलावा, अपने रोचक संवादों से दर्शकों का दिल जीतने वाले चॉकलेट जोकर, जिन्हें मेकअप की खास जरूरत नहीं थी। चेहरे का गहरा रंग होने के कारण वे केवल सफेद रंग का इस्तेमाल करते थे। जेम्स मैकइन्टायर और टॉम हीथ ने सन् 1874 में 'ट्रैम्प क्लाउन' को ईजाद किया, जिसमें काले चेहरेवाले अफ्रीकी जोकर के चेहरे पर सफेद रंग लगाया जाता था। अब जोकर डांस भी कर सकता था, जिसे बाद में टैप डांसिंग के नाम से जाना गया। इस तरह धीरे-धीरे दिन बदला, समय बदला और जोकर भी। अब जोकर उत्सवों और कर्निवाल्स में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेने लगा था। सारी दुनिया में इस हास्य किरदार ने अपनी पहचान बना ली थी। आज यह संसार के किसी भी कोने में जाना-पहचाना चेहरा है। हमारे देश में इस दिलचस्प किरदार की कोई कमी नहीं।

सर्कस के परदे के पीछे से लेकर 70 एमएम की स्क्रीन तक जोकर को एक एलग पहचान मिली। ऐसे में सन् 1970 में राज कपूर द्वारा निर्मित एवं निर्देशित 'मेरा नाम जोकर' को कैसे भुलाया जा सकता है। यह भारत में जोकर समुदाय पर बनी बेहतरीन फिल्मों में से एक है, जिसमें राजकपूर ने बड़ी ही संजीदगी से 'राजू जोकर' की भूमिका को निभाया। इसके अलावा, समय-समय पर लगने वाले सर्कस जोकरी परम्परा को आज भी जीवित रखे हुए हैं। इतना ही नहीं, ताश के 52 पत्तों में भी जोकर की मौजूदगी काफी अहम रहती है। टैरो कार्ड में भी जोकर भविष्य की जानकारी देते हैं। अधिकतर संस्कृतियों में इस किरदार की दखलंदाजी है। आमतौर पर हर जश्न को खुशनुमा बनानेवाले इस शख्स को अलग-अलग नामों से पुकारा जाता है। तो आओ जानते हैं किस देश ने इसे क्या नाम दिया

जोकर भी होते हैं अंधविश्वास के शिकार...

जोकर कभी भी चेहरे पर नीला रंग इस्तेमाल नहीं करते हैं। उनके अनुसार, यह रंग अशुभता की निशानी है। इतना ही नहीं, प्रदर्शन से पहले जोकर अपने साथियों को शुभकामना नहीं देते, ऐसा करना उनके लिए श्राप देने जैसा है।

अलबेली पतंगें

दुनिया भर में कई तरह की अजीबोगरीब पतंगें बनाई जाती हैं और लोग इन्हें बड़े शौक से उड़ाते भी हैं। चलो ऐसी ही कुछ पतंगों के बारे में और जानते हैं-

हवा भरी पतंग (इनफ्लैटेबल्स) - काइट फेस्टिवल्स में सबसे ज्यादा हवा भरी फूली हुई पतंगें दिखायी पड़ती हैं। ये पतंगें अपने बड़े आकार और रंगों के कारण सबका ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। आमतौर पर ये पतंगें नायलॉन या पॉलिस्टर की बनी होती हैं और इन्हें समुद्री जीवों के आकार का बनाया जाता है, जिसके कारण ये बच्चों को बहुत पसंद आती हैं। इन्हें बनाने में मेहनत अधिक लगती है। हालांकि ये आगे की ओर से ज्यादा फूली हुई होती हैं, पर इन्हें इस तरह बनाया जाता है, जिससे पतंग के हर हिस्से पर हवा का दबाव संतुलित रहे।

पैराफॉएल्स - पैराफॉएल्स पतंगें दिखने में पैराशूट की तरह लगती हैं। ये कई तरह की होती हैं, पर पतंगों के जमघट में सबसे ऊंची दिखायी पड़ने वाली पतंग है सिंगल लाइन पैराफॉएल। ये पतंग दिखने में ऐसी लगती है मानो कोई फूली हुई चटाई हवा में उड़ रही हो। ये पतंगें लंबी धारियों वाले सेल्स में विभाजित होती हैं, जैसा कि पैराग्लाइडर्स में होता है। डबल लाइन और क्वैड लाइन पतंगें औरों से ज्यादा हाई होती हैं। आमतौर पर इनके साथ दूसरी चीजों को जोड़कर उड़ाया जाता है।

डेल्टास - मंद हवा में बड़ी शान से खूब ऊंचाई पर उड़ने वाली हैं ये पतंगें। नीचे से देखने पर पक्षी की तरह दिखने वाले ये बड़े डेल्टा फाइबरग्लास रॉड्स या ट्यूब्स के साथ हल्के पर मजबूत नायलॉन के कपड़े से बने होते हैं। आमतौर पर ये डेल्टास त्रिभुजाकार होते हैं। हालांकि इनमें टेल नहीं होती, पर बहुत बड़े आकार वाले डेल्टा के लिए पतंग के पीछे बच्चों की पसंद को ध्यान में रखते हुए इन्हें अलग-अलग शेप दी जाती हैं।

रोक्काकूस - हवा में मजबूती से टिकने के मामले में ये पतंगें डेल्टा पतंगों को मात देती हैं। इन पतंगों की शुरुआत जापान से हुई थी, पर अब इन्हें हर जगह पसंद किया जाता है। डेल्टा की तुलना में ये सस्ती भी होती हैं और देर तक साथ भी देती हैं। अच्छी डेल्टा पतंगों की तरह इन्हें भी टेल की जरूरत नहीं होती। इन्हें आकर्षक बनाने के लिए 3डी डिजाइन का लुक भी दिया जाता है।

सेल्युलर या बॉक्स काइट्स - इन पतंगों में एक या दो से अधिक सेल आगे की ओर होते हैं और इसी के संतुलन में पीछे भी वैसा डिजाइन बनाया जाता है। कुछ लोग इसे डायमंड कट्स वाली पतंग भी कहते हैं।

डायमंड्स - पश्चिमी देशों में इस पतंग को सबसे अधिक पसंद किया जाता है। यह पतंग चटक रंगों से बनी होती है और इस पर मनोरंजक और हंसाने वाले डिजाइन बनाए होते हैं। अच्छी तरह उड़ान भरने के लिए इसके पीछे टेल लगायी जाती है। डेल्टा की महंगी पतंगों की तरह देखने में यह भले ही उतनी सुंदर न हो, पर बच्चों से लेकर बड़े तक इस पतंग को आसानी से उड़ा सकते हैं। यह छोटे-बड़े सभी आकारों की होती है।

ट्रेडिशनल पतंगें - पतंग महोत्सव में कुछ पतंगें ऐसी भी होती हैं, जो किसी खास पहचान से जुड़ी होती हैं। आमतौर पर इन्हें नेचुरल मैटीरियल से बनाया जाता है। उदाहरण के लिए इंडोनेशिया की बुलान पतंगें अपनी शेप और उन पर बने ट्रेडिशनल डिजाइन के कारण बहुत ऊंचाई पर उड़ने के बावजूद सबसे अलग दिखती हैं। बाली, थाईलैंड, ताइवान, कोरिया, जापान और न्यूजीलैंड की ट्रेडिशनल पतंगों को खासतौर पर पसंद किया जाता है।

कैसे उड़ती रहती हैं पतंग

हवा के संग ऊंची उड़ती पतंगों को देखकर तुम्हारे मन में भी जरूर आता होगा कि ये पतंगें बिना ईंधन यानी बिना फ्यूल के कैसे हवा में उड़ती चली जाती हैं? इसके दो कारण हैं, पहला ग्रेविटी (गुरुत्वाकर्षण बल) और दूसरा लिफ्ट (ऊंचा उठाना)। ग्रेविटी यानी वह बल जो ऊपर फेंकी किसी भी चीज को नीचे खींचता है। अब यदि ऊपर उड़ती हुई पतंग ग्रेविटी के बावजूद नीचे नहीं आती तो इसका कारण है हवा से उसे मिलने वाली लिफ्ट। हवा उसे अपने दबाव के साथ ऊंचे ऊपर उठाती रहती है।

पतंग उड़ाने के फायदे

यदि तुम पूरा दिन कंप्यूटर पर गेम खेलने और टीवी पर कार्टून देखने में बिताते हो तो पतंग उड़ाना एक अच्छे ब्रेक का काम करेगा। इससे आंखों पर पड़ने वाले तनाव को कम करने में मदद मिलेगी। इससे दोस्तों के साथ खेलते समय समूह में काम करना आता है। धागे पर नजर बनाकर रखते हुए पतंग की ओर लगातार देखना नजर को तेज करता है, साथ ही फोकस करने की क्षमता भी बढ़ती है। गर्दन का व्यायाम होता है। ताजी हवा सांस के जरिए शरीर में

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जौनपुर बना घटना का शहर

बदमाशों ने कुरियर एजेंसी के कर्मचारी से लूटे 5.78 लाख

जौनपुर (एजेंसी)। जिले में बाइक सवार बदमाशों ने एक कोरियर एजेंसी के कर्मचारी से 5.78 लाख रुपये लूट लिए। असलहे के बल पर वारदात को अंजाम देकर बदमाश फरार हो गए। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने आसपास की दुकानों पर लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाले। फिलहाल पुलिस मामले को संदिग्ध मान रही है।

जानकारी के अनुसार, शाहगंज क्षेत्र के सुरिस गांव स्थित बरदहिया बाजार के पास ई कॉम एक्सप्रेस कोरियर कंपनी का कार्यालय है। विभिन्न ऑनलाइन मार्केटिंग कंपनियों के सामानों की डिलीवरी यहां से होती है। सुल्तानपुर के अखंडनगर निवासी सौरभ सिंह इसका संचालन करते हैं।

सोमवार की सुबह करीब सवा दस बजे कंपनी में कार्यरत मियांपुर निवासी मो. नसीम 5.78 लाख रुपये बैग में रखकर बैंक ऑफ बड़ौदा की शाखा में जमा करने जा रहा था। मो. नसीम के मुताबिक दादर पुल पर कोल्ड स्टोरेज के पास एक बाइक पर सवार दो बदमाश पहुंचे और असलहे से आतंकित कर रुपये से भरा बैग लूट लिया। वारदात के बाद बदमाश हवाई फायरिंग करते हुए तेज रफ्तार में भाग निकले।

घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन में जुट गई। पुलिस ने घटनास्थल से कोरियर कंपनी के कार्यालय तक लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले।

आसपास के दुकानदारों से भी पूछताछ की। कंपनी के तीन कर्मचारियों को पूछताछ के लिए हिरासत में भी लिया। एएसपी सिटी डॉ. संजय कुमार ने बताया कि आसपास की दुकानों के सीसीटीवी फुटेज में कहीं भी पीड़ित कर्मचारी नजर नहीं आ रहा।

उसके पास मोबाइल भी था, लेकिन उसने न तो 112 नंबर पर सूचना दी और न ही कोतवाली पुलिस को। वह पहले अपनी कंपनी के कार्यालय पहुंचा और फिर वहां से थाने गया। मामला संदिग्ध लग रहा है।

जमीनी विवाद को लेकर मारपीट, वृद्ध महिला की मौत

जौनपुर (एजेंसी)। जिले में पवारा क्षेत्र में जमीन संबंधी विवाद को लेकर हुई मारपीट में एक वृद्ध महिला की मृत्यु हो गई।

जानकारी के मुताबिक पवारा निवासी राजदेव की 65 वर्षीय पत्नी मीना देवी और उसके पड़ोसी के बीच रविवार को जमीन संबंधी विवाद को लेकर कहासुनी हो गई थी।

बात बढ़ने पर उन लोगों ने महिला पर लाठी डंडे से हमला कर दिया, जिसमें मीना देवी गंभीर रूप से घायल हो गई। महिला को सीएचसी सतहरिया में भर्ती कराया था, जहां देर रात उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई।

इस सिलसिले में परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने चार लोगो के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

वाराणसी से दिल्ली के बीच प्रस्तावित हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के सर्वे का काम शुरू

800 किलोमीटर का सफर तीन घंटे में पूरा होगा
बुलेट ट्रेन परियोजना में अयोध्या को भी जोड़ा गया

गाजियाबाद (एजेंसी)। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन ने वाराणसी से दिल्ली के बीच प्रस्तावित हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के सर्वे का काम शुरू कर दिया है। विशेष हेलीकॉप्टर के जरिए। विशेषज्ञों की टीम ने एरियल लीडार तकनीक से जमीन सर्वे का काम शुरू किया। 800 किलोमीटर का यह सफर इस ट्रेन से महज 3 घंटे में पूरा होगा। इस बुलेट ट्रेन परियोजना में अयोध्या को भी जोड़ा गया है। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन की प्रवक्ता सुषमा गौड़ ने बताया कि पहले फेज में ग्रेटर नोएडा से आगरा के बीच करीब 120 किलोमीटर का हवाई सफर कर प्रस्तावित कॉरिडोर के सर्वे के लिए टीम ने आंकड़े कैप्चर किए। आगे भी सर्वे का काम जारी रहेगा। वाराणसी-दिल्ली हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के लिए कॉर्पोरेशन अगले ३ से 4 महीनों तक दिल्ली से वाराणसी के बीच हवाई सर्वे कर आंकड़े इकट्ठा करेगी। इसके बाद प्रस्तावित कॉरिडोर के लिए डीपीआर तैयार किया जाएगा। उसके बाद जमीन अधिग्रहण का काम शुरूहोगा।

कॉरिडोर के सर्वे का काम 13 दिसंबर से शुरू होना था लेकिन खराब मौसम के कारण नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन को इसे टालना पड़ा था। अब मौसम में सुधार के बाद एक बार सर्वे का काम शुरू हो गया है। वाराणसी-दिल्ली के बीच हाई स्पीड ट्रेन को 29 अक्टूबर को रेल मंत्रालय ने हरी झंडी दी थी। ये हाई स्पीड ट्रेन देश की राजधानी से सांस्कृतिक राजधानी काशी सहित यूपी के प्रमुख पर्यटन स्थलों को जोड़ेगा। बुलेट ट्रेन से अयोध्या को भी जोड़ा जाएगा। ऐसे में इस कॉरिडोर से जुड़ने वाले शहर मथुरा, आगरा, इटावा, लखनऊ, अयोध्या, रायबरेली, प्रयागराज और वाराणसी होंगे।

इस तकनीक के माध्यम से आसमान से जमीन पर बनाए जाने वाले मार्गो का सर्वेक्षण किया जाता है जिसमे समय की बचत के साथ खर्च भी कम होता है। इसमें हेलीकॉप्टर में एक डिवाइस लगाकर डाटा इकट्ठा किया जाता है जिसमें यह जानकारी मिलती है कि रास्ता कैसा है, कहां पर नदी और नाले हैं और कहां घनी बस्तियां हैं। रूट कितना टेढ़ा-मेढ़ा है, कितना सीधा है, इन रूटों पर कितनी नदियां हैं, किस तरह की जमीन है, रूट पर कितनी बिल्डिंग हैं, कितने टॉवर हैं, इनकी लंबाई-चौड़ाई कैसी है, इसका भी डाटा मुहैया कराता है।

सबसे बड़ी बात इस सर्वे को परंपरागत तरीके से किया जाए तो इसमे 10 से 12 सप्ताह लग सकते हैं, लेकिन अगर यही सर्वे एरियल लीडार तकनीकी से किया जाता है तो यही काम 1 सप्ताह में हो जाता है।

बच्चों से भीख मंगवाने वालों पर नकेल कसेगी योगी सरकार, बड़ी कार्रवाई की तैयारी

पुलिस, ट्रैफिक पुलिस, एएचटीयू, जीआरपी, श्रम, विधिक सेवा आदि मिल कर कर रहे हैं काम

लखनऊ(एजेंसी)। कोरोना काल के समय बच्चों के भीख मांगने वालों की संख्या में इजाफा होने के कारण योगी सरकार ने एक विशेष कार्य योजना जनपदीय स्तर पर लागू की है। जिसके तहत बाल भिक्षुओं को शिक्षा की दिशा में प्रेरित करने और उनके माता-पिता को रोजगार देने का कार्य योगी सरकार द्वारा किया जा रहा है। राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष डॉ विशेष गुप्ता ने बताया कि प्रदेश में कुछ लोगों द्वारा जबरन बच्चों से उनका बचपन छीन कर चौक-चौराहों पर भीख मंगवाने का काम कराया जा रहा है। जिससे एक ओर बच्चे शिक्षा से दूर हो रहे हैं वहीं दूसरी ओर वो शोषण का शिकार भी हो रहे हैं। बाल भिक्षावृत्ति को रोकने के लिए इस वृहद अभियान में पुलिस, ट्रैफिक पुलिस, विशेष पुलिस ईकाई, बाल कल्याण पुलिस अधिकारी, एएचटीयू, जीआरपी, श्रम, विधिक सेवा, बाल कल्याण समिति व जिला प्रशासन समेत प्रदेश की एनजीओ मिलकर काम कर रहीं हैं।

मिशन शक्ति के तहत प्रदेश के जरूरतमंद परिवारों के बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए बाल श्रमिक विद्या योजना से जोड़ा जाएगा। एक ओर बच्चों के अभिभावकों की काउंसलिंग की जाएगी तो वहीं दूसरी ओर इन सभी बच्चों का दाखिला प्राथमिक विद्यालयों में कराया जाएगा। आयोग के अध्यक्ष डॉ विशेष गुप्ता ने बताया कि अब तक प्रदेश के विभिन्न जनपदों से लगभग 2,500 बाल भिक्षुक बच्चों का चिन्हित किया जा चुका है। बाल भिक्षुओं के इन अभिभावकों को आर्थिक तौर पर सहायता देने के उद्देश्य से एक ओर महिलाओं को कौशल विकास योजना से जोड़ा जाएगा तो वहीं पुरुषों को मनरेगा से जोड़ उनको रोजगार की मुख्यधारा से जोड़ने का काम प्रदेश स्तर पर किया जाएगा। प्रदेश में इस अभियान के तहत जबरन किशोर-किशोरियों से भिक्षावृत्ति कराने वाले लोगों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

सार-समाचार

खेत गई महिला से गैंगरेप, आरोपी हिरासत में

सीतापुर (एजेंसी)। जिले में घर से शौच के लिए निकली महिला के साथ गैंगरेप की वारदात हुई। इस दौरान उसके साथ मारपीट भी की गयी। इस मामले में तीन लोगों के विरुद्ध मामला दर्ज हुआ है। जानकारी के मुताबिक मानपुर थाना क्षेत्र के एक गांव की महिला शनिवार देर शाम घर से शौच के लिए निकली थी। आरोप है कि गांव के बाहर खेत में पहुंची तो उसे तीन लोगों ने दबोच लिया। मारपीट करते हुए तीनों लोगों ने उसके साथ दुष्कर्म किया। वारदात के बाद सभी मौके से फरार हो गए, किसी तरह महिला घर पहुंची और परिवार के लोगों को पूरे मामले की जानकारी दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने सोमवार को मुकदमा दर्ज किया। जिसमें डफरा निवासी सरोज, बदलू सहित एक अज्ञात के विरुद्ध केस दर्ज किया। सूचना मिलने के बाद एएसपी डॉ. राजीव दीक्षित मौके पर पहुंचे और थाना प्रभारी को दिशा निर्देश दिए। उधर, महिला पुलिस की मौजूदगी में मानपुर थाना पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया। एएसपी ने बताया कि दुष्कर्म के मामले में कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

युवती के साथ दुराचार का प्रयास, विरोध पर गला काटकर हत्या

कानपुर देहात (एजेंसी)। जिले के डेरापुर थाना क्षेत्र में खेत पर गई एक युवती की सोमवार सुबह एक युवक ने खेत में घसीटकर दुष्कर्म का प्रयास किया। विरोध करने पर उसने चाकू से उसका गला काट दिया। जिला अस्पताल से रेफर होकर कानपुर जाते समय रास्ते में उसकी मौत हो गई। सूचना पर कई थानों की फोर्स के साथ गांव पहुंचे एएसपी ने पहले परिजनों से पूछतांछ की फिर आरोपित को हिरासत में लेकर छानबीन शुरूकी।

प्राप्त विवरण के मुताबिक डेरापुर के एक गांव में 19 साल की युवती सोमवार सुबह अपनी चचेरी बहन के साथ खेत पर गई थी। उसको खेत पर जाता देख युवक शीलू उसके पीछे गया तथा सुनसान देख उसे दबोचकर चाकू के बल पर खेत में घसीट ले गया। उसके विरोध पर आरोपित ने उसके गले को चाकू से काट दिया। इससे वह लहूलुहान होकर गिर गई।

उसके साथ गई बहन ने भागकर परिजनों को घटना की जानकारी दी। इस पर परिजन भागकर मौके पर पहुंचे तथा पुलिस को सूचना देकर उसको चाचा व परिजन गंभीर हालत में जिला अस्पताल लाए। यहां से प्राथमिक इलाज के बाद उसकी हालत नाजुक देख डाक्टरों ने उसको कानपुर रेफर कर दिया, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया।

घटना की जानकारी होते ही एएसपी घनश्याम चैरसिया अकबरपुर, सिकंदरा, मंगलपुर आदि थानों की फोर्स व फील्ड स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे। एएसपी को परिजनों ने बताया कि आरोपित युवती को काफी समय से परेशान कर रहा था। एक सप्ताह पहले उसने कुछ एसएमएस भेजे थे। इसकी शिकायत उसके परिजनों से करने पर उसने हत्या की धमकी दी थी। पुलिस ने आरोपित को हिरासत में ले लिया।

गल्ला व्यापारियों और सब्जी व्यापारियों के बीच हुई नोक झोंक के बाद आपस में खिंची तलवारें

ललितपुर(एजेंसी)सुबह-सुबह सब्जी व्यापारियों और गल्ला व्यापारियों में उस समय तलवारें खिंच गई जब गल्ला व्यापारियों ने सब्जी व्यापारियों को गल्ला मंडी परिसर में बैठने से मना किया। गल्ला व्यापारियों ने मना इसलिए किया कि सब्जी विक्रेताओं द्वारा सुबह 6:00 बजे से 11:00 बजे तक अपनी सब्जी की थोक दुकानें संचालित करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा अस्थाई रूप से शिफ्ट किया गया था। लेकिन इस दौरान सब्जी विक्रेताओं द्वारा फैलाई जा रही गंदगी के कारण गल्ला व्यापारी काफी परेशान थे और इसीलिए उन्होंने सब्जी विक्रेताओं को यहां से हटाने के लिए कहा था। बस इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में आपसी तनातनी हुई जिसके परिणाम स्वरूप

****गल्ला व्यापारियों ने मंडी गेट का ताला डालकर सब्जी व्यापारियों को बंद कर गए हड़ताल पर**

****गल्ला व्यापारियों ने जिला प्रशासन की कार्यप्रणाली के खिलाफ जमकर की नारेबाजी**

****गल्ला व्यापारी सब्जी व्यापारियों को दूसरी जगह शिफ्ट करने की उठा रहे हैं मांग**

****सब्जी व्यापारियों द्वारा फैलाई जा रही गंदगी को लेकर दोनों पक्ष आए थे आमने-सामने**

****जिला प्रशासन ने आस्थाई तौर पर कोरोना काल में सब्जी मंडी को गल्ला मंडी में कर दिया था**

****8 माह के बाद भी सब्जी मंडी न हटाए जाने के लिए आज मंडी का मुख्य द्वार बंद कर गल्ला व्यापारियों ने नारेबाजी शुरूकर दी**

****जिला प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर दोनों पक्षों को शांत कर 1 सप्ताह में स्थाई निराकरण का दिया आश्वासन**

गल्ला व्यापारियों ने गले मंडीके गेट पर ताला डाल दिया और सब्जी विक्रेताओं को अंदर ही बंद कर दिया। गल्ला व्यापारियों ने ऐसा इसलिए किया कि ना तो कोई सब्जी खरीददार अंदर जाएगा और ना ही सब्जी विक्रेता अपनी सब्जी बाहर भेज सकेंगे।

इसके साथ ही गल्ला व्यापारियों ने गेट पर खड़े होकर जिला प्रशासन की कार्यप्रणाली के खिलाफ जमकर धरना प्रदर्शन और नारेबाजी भी की। सूचना पाकर गल्ला मंडी प्रभारी अपर जिला अधिकारी अनिल कुमार मिश्रा प्रशासनिक अमला के साथ मौके पर पहुंचे और उन्होंने गेट का ताला खुलवाया जहां उन्होंने दोनों पक्षों के व्यापारियों से बातचीत भी की। बातचीत के दौरान उन्होंने गल्ला मंडी और सब्जी मंडी दोनों ही संचालित करवाएं तथा 1 सप्ताह में कोई स्थाई हल निकालने का आश्वासन भी दिया।

गौरतलब है कि थोक सब्जी मंडी के दुकानदारों को कोरोना काल के चलते करीब 8 माह पूर्व गल्ला मंडी में अस्थाई तौर पर इसलियर शिफ्ट कर दिया था कि गल्ला मंडी बंद कर दी गई थी। लेकिन तब से लेकर अब तक सब्जी मंडी यहीं पर सुचारूरूप से चल रही है। ईस संचालन के दौरान सब्जी विक्रेताओं द्वारा यहीं पर सब्जी का कचरा छोड दिया जाता है जिससे गल्ला व्यापारियों को काफी परेशानी हो रही है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

बिहार बीजेपी प्रभारी भूपेंद्र यादव का बड़ा दावा, 14 जनवरी के बाद आरजेडी में होगी टूट

नयी दिल्ली। बिहार में जब से नीतीश नीत एनडीए की सरकार बनी है। तभी से तरह-तरह के सियासी दावे किए जा रहे हैं। इसी क्रम में बीजेपी के प्रभारी भूपेंद्र यादव ने एक बड़ा दावा किया है। भूपेंद्र यादव का कहना है कि राजद के विधायक लगातार दूसरे दलों में शामिल हो रहे हैं। राजद के नेतृत्व में अगर ताकत है तो उन्हें रोक कर दिखाएं। इसके साथ ही भूपेंद्र यादव ने दावा किया कि 14 जनवरी के बाद राजद के कई विधायक टूट कर एनडीए में शामिल हो सकते हैं। बीजेपी के दावे पर राजद की ओर से पलटवार किया है। राजद नेता शिवानंद तिवारी ने कहा कि बीजेपी नेताओं में इतनी हैसियत नहीं है कि वो राजद विधायकों को तोड़ सके। इसके साथ ही शिवानंद तिवारी ने भूपेंद्र यादव को चुनौती देते हुए कहा कि अगर हिम्मत है तो वह राजद के विधायकों को तोड़कर दिखाएं।

जम्मू-कश्मीर में सुरक्षाबलों ने किया पुलवामा में आतंकियों के दो सहयोगियों को गिरफ्तार

श्रीनगर। सुरक्षा बलों ने सोमवार को आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद की सहायता करने के आरोप में जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले से दो लोगों को गिरफ़्तार किया। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, पुलिस ने सेना एवं सीआरपीएफ के साथ मिलकर अवंतीपुरा इलाके से जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादियों के दो सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। ये लोग आतंकियों को आश्रय, समर्थन एवं साजो-सामान उपलब्ध कराने में संलिप्त थे। उन्होंने कहा कि गिरफ्तार किए गए लोग जिले के अवंतीपुरा और त्राल इलाके में हथियार एवं गोला-बारूद पहुंचाने के साथ ही जैश के आतंकियों को संवेदनशील सूचनाएं उपलब्ध कराते थे। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शेजान गुलजार बेग और वसीम-उल-रहमान शेख के रूप में हुई है। अधिकारी ने बताया कि आरोपी विभिन्न सोशल मीडिया मंचों के जरिए पाकिस्तानी आतंकी कमांडरों के संपर्क में थे। उनके कब्जे से विस्फोटक सामग्री भी बरामद की गई है।

ब्रिटेन से आए नए कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या 96 पहुंची : सरकार

नयी दिल्ली। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि ब्रिटेन से आए सार्स-सीओवी-2 के नए स्वरुप से भारत में अभी तक 96 लोगों के संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। शनिवार तक 90 लोगों के संक्रमित होने की पुष्टि हुई थी। मंत्रालय ने कहा, ''कोविड-19 के म्यूटेंट ब्रिटिश स्वरुप से अभी तक 96 लोग संक्रमित हुए हैं।'' उसने पहले बताया था कि इन सभी लोगों को संबंधित राज्य सरकारों के तय केन्द्रों में अलग अलग कमरों में पृथक रखा गया है। मंत्रालय ने बताया कि उनके निकट संपर्क में आए लोगों को पृथक-वास में रखा गया है। संपर्क में आने वालों, साथ में यात्रा करने वालों और परिवार के सदस्यों सहित अन्य लोगों का पता लगाा जा रहा है। उसने कहा कि अन्य नमूनों की अभी जांच की जा रही है। स्थिति की निगरानी की जा रही है और राज्यों को चौकसी बढ़ाने, नियंत्रण में रखने, नमूनों की जांच करने और नमूनों को आईएनएसएसीओजी भेजने की सलाह दी जा रही है। ब्रिटेन से आए कोविड-19 के इस नए स्वरुप से अभी तक डेनमार्क, नीदरलैंड, ऑस्ट्रेलिया, इटली, स्वीडल, फ्रांस, स्पेन, स्विट्जरलैंड, जर्मनी, कनाडा, जापान, लेबनान और सिंगापुर में लोगों के संक्रमित होने की सूचना है।

चीन के साथ सीमा पर गतिरोध के बीच लद्दाख पहुंचे सीडीएस रावत, सुरक्षा स्थिति की करेंगे समीक्षा

नयी दिल्ली। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत सेना की समग्र तैयारी की समीक्षा के लिए लद्दाख के दौरे पर हैं, जहां पिछले आठ महीने से जारी गतिरोध के बीच भारत और चीन के हजारों सैनिक ऊंचे पहाड़ों पर तैनात हैं। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को बताया कि जनरल रावत को लेह स्थित 14 वीं कोर के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल पीजीके मेनन और सेना के दूसरे वरिष्ठ अधिकारी पूर्वी लद्दाख में सुरक्षा की स्थिति पर अवगत कराएंगे। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष ने लद्दाख के इस दौरे के पहले अरुणाचल प्रदेश में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास दिंबाग घाटी, लोहित सेक्टर और सुबंसिरी घाटी में विभिन्न चौकियों समेत महत्वपूर्ण ठिकानों का दौरा किया था। एक सूत्र ने बताया, ''सीडीएस पूर्वी लद्दाख क्षेत्र में सुरक्षा की समग्र सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करेंगे।'' जनरल रावत के मंगलवार को लद्दाख से कश्मीर की यात्रा करने की संभावना है। थल सेना और वायु सेना पूर्वी लद्दाख में सैन्य गतिरोध के मद्देनजर चीन के साथ लगी करीब 3500 किलोमीटर की एलएसी के पास किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार अवस्था में तैनात है। भारतीय सेना ने पूर्वी लद्दाख में विभिन्न स्थानों पर करीब 50,000 सैनिकों की तैनाती की है। अधिकारियों के मुताबिक चीन ने भी इतने ही सैनिकों की तैनाती कर रखी है। दोनों पक्षों के बीच सैन्य और राजनयिक स्तर पर कई चरण की वार्ता के बावजूद अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकल पाया है। पिछले महीने थल सेना प्रमुख एम एम नरवणे ने पूर्वी लद्दाख का दौरा कर क्षेत्र में जमीनी हालात की समीक्षा की थी।

कृषि कानून विवाद : सरकार और किसानों के बीच बातचीत की प्रक्रिया से कोर्ट बेहद निराश

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

उच्चतम न्यायालय ने तीन कृषि कानूनों को लेकर किसानों के विरोध प्रदर्शन से निबटने के तरीके पर सोमवार को केन्द्र को आड़े हाथ लिया और कहा कि किसानों के साथ उसकी बातचीत के तरीके से वह 'बहुत निराश' है। न्यायालय ने कहा कि इस विवाद का समाधान खोजने के लिये वह अब एक समिति गठित करेगा। प्रधान न्यायाधीश एस ए बोबडे, न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना और न्यायमूर्ति वी रामासुब्रमणियन की पीठ ने इस मामले की सुनवाई के दौरान अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुये यहां तक संकेत दिया कि अगर सरकार इन कानूनों का अमल स्थगित नहीं करती है तो वह उन पर रोक लगा सकती है।

पीठ ने कहा कि हम पहले ही सरकार को काफी वक्त दे चुके हैं। पीठ ने कहा, ''मिस्टर अटॉर्नी जनरल, हम पहले ही आपको काफी समय दे चुके हैं, कृपया संयम के बारे में हमें भाषण मत दीजिये।'' सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ से कहा कि शीर्ष अदालत ने सरकार द्वारा इस स्थिति से निबटने के संबंध में 'काफी सख्त टिप्पणियां' की हैं। इस पर पीठ ने कहा, ''हमारे यह कहना ही सबसे निरापद बात थी।'' शीर्ष अदालत ने कहा कि इस मामले में कृषि कानूनों और किसानों के आन्दोलन के संबंध में वह हिस्सों में आदेश पारित करेगी।

पीठ ने इसके साथ ही पक्षकारों से कहा कि वे शीर्ष अदालत द्वारा गठित की जाने वाली पीठ के अध्यक्ष के लिये पूर्व प्रधान न्यायाधीश आर एम लोढा सहित दो-तीन पूर्व प्रधान न्यायाधीशों के नामों का सुझाव दें। वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से इस मामले की सुनवाई शुरू होते ही पीठ ने टिप्पणी की, ''यह सब क्या हो रहा है? राज्य आपके कानूनों के खिलाफ विद्रोह कर रहे हैं।'' पीठ ने कहा, ''हम बातचीत की प्रक्रिया से बेहद निराश हैं। हम आपकी बातचीत के बारे में कोई छिटपुट टिप्पणियां नहीं करना चाहते लेकिन हम इस प्रक्रिया से बहुत निराश हैं।'' शीर्ष अदालत तीनों कृषि कानूनों की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली और दिल्ली की सीमाओं पर डेरा डाले किसानों को हटाने के लिये याचिकाओं की सुनवाई कर रही थी। न्यायालय ने कहा कि इस समय वह इन कानूनों को खत्म करने के बारे में बात नहीं कर रही है। पीठ ने कहा, ''यह बहुत ही संवेदनशील स्थिति है। हमारे सामने एक भी ऐसी याचिका नहीं है जो इन कानूनों को लाभकारी बता रही हो।''

पीठ ने कहा, ''हम अर्थशास्त्र के विशेषज्ञ नहीं हैं। आप हमें बतायें कि क्या सरकार इन कृषि कानूनों को स्थगित रखने जा रही है या हम ऐसा करेंगे।'' पीठ ने कहा, ''हमें यह कहते हुये दुख हो रहा है कि केन्द्र इस समस्या और किसान आन्दोलन को नहीं सुलझा पाया।'' अटॉर्नी जनरल के के वेणुगोपाल ने दलील दी कि किसी भी कानून पर उस समय तक रोक नहीं लगाई जा सकती जब तक न्यायालय यह नहीं महसूस करे कि इससे मौलिक अधिकारों या संविधानकी योजना का हनन हो रहा है। पीठ ने कहा, ''हमारी मंशा यह देखने की है कि क्या हम इस सबका कोई सर्वमान्य समाधान निकाल सकते हैं। इसीलिए हमने आपसे (केन्द्र) पूछा कि क्या आप इन कानून को कुछ समय के लिये स्थगित रखने के लिये तैयार हैं। लेकिन आप समय निकालना चाहते थे।'' पीठ ने कहा, ''हमें नहीं पता कि क्या आप समाधान का हिस्सा हैं या समस्या का हिस्सा हैं।''

शीर्ष अदालत ने कहा कि यह मामला दिन प्रतिदिन बिगड़ रहा है और लोग आत्महत्या कर रहे हैं। न्यायालय ने इस समस्या के समाधान के लिये समिति गठित करने का अपना विचार दोहराते हुये कहा कि इसमें सरकार और देश भर के किसान संगठनों के प्रतिनिधियों को शामिल किया जायेगा। पीठ ने कहा, ''अगर समिति की सलाह होगी तो वह इन कानूनों के अमल पर रोक लगा देगा। पीठ ने कहा कि किसान इन कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं और वे अपनी आपत्तियां समिति के समक्ष रख सकते हैं। साथ ही पीठ ने सख्त लहजे में कहा कि अगर सरकार खुद इस पर अमल नहीं स्थगित करेगी तो उसे इस पर रोक लगानी होगी। यही नहीं, इन कृषि कानूनों का विरोध कर रहे किसानों की यूनियनों से भी पीठ ने कहा, ''आपका भरोसा है या नहीं, लेकिन हम उच्चतम न्यायालय हैं और हम अपना काम करेंगे।'' पीठ ने कहा कि उसे नहीं मालूम कि आन्दोलनरत किसान कोविड-19 महामारी के लिये निर्धारित मानकों के अनुरूप उचित दूरी का पालन कर रहे हैं या नहीं लेकिन वह उनके लिये भोजन और पानी को लेकर चिंतित हैं। पीठ ने यह भी आशंका जताई कि इस आन्दोलन के दौरान शांतिभंग करने वाली कुछ घटनायें भी हो सकती हैं।

पीठ ने कहा कि इन कानूनों के अमल पर रोक लगाये जाने के बाद आन्दोलनकारी किसान अपना आन्दोलन जारी रख सकते हैं क्योंकि न्यायालय किसी को यह कहने का मौका नहीं देना चाहता कि उसने विरोध की आवाज दबा दी। शीर्ष अदालत ने कहा कि बातचीत सिर्फ इसलिए टूट रही है क्योंकि केन्द्र चाहता है कि इन कानूनों के प्रत्येक उपबंध पर चर्चा की जाये और किसान चाहते हैं कि इन्हें खत्म किया जाये। पीठ ने कहा, ''हम किसी भी कानून तोड़नेवाले को संरक्षण देने नहीं जा रहे हैं। हम जान माल के नुकसान को बचाना चाहते हैं।'' कानून व्यवस्था का मुद्दा उठाये जाने पर पीठ ने टिप्पणी की, ''इन मुद्दों को पुलिस देखेगी। विरोध प्रदर्शन का अधिकार बरकरार है और गांधीजी ने सत्याग्रह किया था। वह आन्दोलन कहीं ज्यादा बड़ा था।'' अटॉर्नी जनरल ने जब पीठ से कहा कि सरकार और किसानों के बीच अगली दौर की बातचीत 15 जनवरी को होने वाली है और इसलिए न्यायालय को आज कोई आदेश पारित नहीं करना चाहिए, पीठ ने कहा, ''हमें नहीं लगता कि केन्द्र ठीक से इस मसले को ले रही है। हमें ही आज कोई कार्रवाई करनी होगी। हमें नहीं लगता कि आप प्रभावी हो रहे हैं।''

पीठ ने कहा, ''अगर कानून को स्थगित कर दिया जाये तो बातचीत से कोई रास्ता निकल सकता है।'' न्यायमूर्ति बोबडे ने कहा, ''मुझे जोखिम लेने दीजिये और कहने दीजिये प्रधान न्यायाधीश चाहते हैं कि वे (आन्दोलनकारी किसान) वापस अपने घर लौटें।'' इन कानूनों को लेकर केन्द्र और किसान यूनियनों के बीच आठ दौर की बातचीत के बावजूद कोई रास्ता नहीं निकला है क्योंकि केन्द्र ने इन कानूनों को समाप्त करने की संभावना से इंकार कर दिया है जबकि किसान नेताओं का कहना है कि वे अंतिम सांस तक इसके लिये संघर्ष करने को तैयार हैं और 'कानून वापसी' के साथ ही उनकी 'घर वापसी' होगी। शीर्ष अदालत ने इससे पहले 12 अक्टूबर को इन कृषि कानूनों की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर केन्द्र को नोटिस जारी किया था। ये तीन कृषि कानून हैं-- कृषक (सशक्तिकरण एवं संरक्षण) कीमत आश्वासन और कृषि सेवा करार, कानून, 2020, कृषक उत्पाद व्यापार एवं वाणिज्य (संवर्धन एवं सरलीकरण) कानून, 2020 और आवश्यक वस्तु (संशोधन) कानून।राष्ट्रपति रामनाथ कोविद की संस्तुति मिलने के बाद से ही इन कानूनों को वापस लेने की मांग को लेकर किसान आन्दोलनरत हैं।

पीएम मोदी की मुख्यमंत्रियों संग हुई बैठक, बोले- दो वैक्सीन को मिल चुकी है मंजूरी, चार पर काम जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोविड-19 टीकाकरण अभियान के बारे में राज्य के मुख्यमंत्रियों के साथ संवाद किया। जिसके बाद वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि तीन करोड़ कोरोना योद्धाओं में शामिल नहीं हैं, सबसे पहले अग्रिम मोर्चे के कर्मियों का टीकाकरण होगा।

उन्होंने कहा कि राज्यों और केंद्र के बीच चर्चा और सहयोग ने कोविड के खिलाफ लड़ाई में बहुत बड़ी भूमिका निभाई है और हमने संघवाद का एक अच्छा उदाहरण प्रस्तुत किया है। इस दौरान उन्होंने स्वर्गीय प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को श्रद्धांजलि भी दी। उन्होंने कहा कि मुझे संतोष है कि कोरोना के इस संकटकाल में हमसभी ने एकजुट होकर काम किया और जो सीख लालबहादुर शास्त्री जी ने दी थी उसी रास्ते पर चलने का काम भी किया।

उन्होंने कहा कि आज भारत में कोरोना का संक्रमण वैसा नहीं है जैसे हमने दुनिया में देखा है। यह अच्छी स्थिति है लेकिन हमें लापरवाह नहीं होना है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारा देश कोरोना के खिलाफ लड़ाई में टीकाकरण के एक निर्णायक चरण में प्रवेश कर रहा है। 16 जनवरी से हम दुनिया का सबसे बड़ा वैक्सीनेशन प्रोग्राम शुरू कर रहे हैं। जिन दो वैक्सीन को आपात मंजूरी मिली है वह दोनों मेड इन इंडिया है और बाकी के 4 वैक्सीन पर अभी काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि यह हमें भविष्य की बेहतर योजना बनाने में मदद करेगा। हमारे विशेषज्ञों ने देशवासियों को प्रभावी टीके उपलब्ध कराने के लिए सभी सावधानियां बरती हैं। उन्होंने बताया कि ये हम सभी के लिए गौरव की बात है कि जिन दो टीको को आपात इस्तेमाल की मंजूरी दी गई है वो दोनों ही मेड इन इंडिया हैं।

उल्लेखनीय है कि बयान में कहा गया कि करीब तीन करोड़ स्वास्थ्य कर्मियों एवं अग्रिम मोर्चे पर कार्यरत कर्मियों के बाद 50 वर्ष से अधिक आयु के करीब 27 करोड़ व्यक्तियों और अन्य बीमारियों से ग्रसित 50 वर्ष से कम आयु के व्यक्तियों का टीकाकरण किया जाएगा।

दो तरफा राजनीति कर रहे ओली, एक तरफ बातचीत को बेकरार, दूसरी तरफ कालापानी लेने की कर रहे बात

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

नेपाल में जारी राजनीतिक अस्थिरता के बीच प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली दो तरफा राजनीति का खेल खेल रहे हैं। एक तरफ वह नक्शा विवाद को लेकर बातचीत के लिए अपने विदेश मंत्री प्रदीप कुमार ग्यावली को भारत भेज रहे हैं। दूसरी तरफ कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा को भारत से वापस लेने के दावे भी कर रहे हैं। बता दें कि नेपाल के विदेश मंत्री प्रदीप ग्यावली भारत के दौरे पर आने वाले हैं। ओली ने सांसदों को बताया कि नेपाल के विदेश मंत्री प्रदीप ग्यावली के भारत दौरे में भी सीमा विवाद के मुद्दे को उठाया जाएगा। रिश्तों में तनाव आने के बाद वह नेपाल से भारत आने वाले वह सबसे वरिष्ठ राजनेता होंगे।

कालापानी, लिम्पियाधुरा और लिपुलेख भारत से वापस लेने के दावे

बीच नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने कहा कि वह कालापानी, लिम्पियाधुरा और लिपुलेख क्षेत्र को भारत से वापस लेंगे। ओली ने नेशनल असेंबली (उच्च सदन) को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। ओली ने कहा, सुगौली संधि के मुताबिक महाकाली नदी के पूर्वी हिस्से में स्थित कालापानी, लिम्पियाधुरा और लिपुलेख नेपाल का भाग हैं। हम भारत के साथ कूटनीतिक वार्ता के जरिए इन्हें वापस लेंगे।

नेपाल ने जारी किया था विवादित नक्शा

नेपाल सरकार ने पिछले साल भारतीय क्षेत्र कालापानी, लिम्पियाधुरा और लिपुलेख के अपना होने का दावा करते हुए विवादित नक्शा जारी किया था, जिसका भारत ने कड़े शब्दों ने विरोध जताया था। इसे लेकर भारत सरकार ने कड़ी आपत्ति जताई थी और इसे एकतरफा कदम करार दिया था।

एक सर्वे में हुआ खुलासा, ड्राई गुजरात में महिलाओं के शराब पीने की संख्या हुई दोगुनी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

गुजरात में एक कानून लागू है जो राज्य की सीमा के भीतर शराब के निर्माण, बिक्री और सेवन पर प्रतिबंध लगाता है। इसके बावजूद, गुजरात के लोगों में शराब काफी लोकप्रियता हासिल कर रही है। बता दें कि केवल 5 सालों के भीतर, गुजरात राज्य में शराब को पीने में महिला की संख्या बढ़ी है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) द्वारा जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 5 सालों में शराब को पीने में महिलाओं की संख्या दोगुनी हो गई है वहीं पुरुष की संख्या आधे से भी कम हो गई है।

इसमें 5,351 पुरुषों के साथ कुल 33,343 महिलाओं का सर्वेक्षण किया गया। साल 2015 में सर्वेक्षण की गई कुल संख्या में से, 200 महिलाओं और 310 पुरुषों ने दावा किया कि उन्होंने शराब का सेवन किया है जबकि बड़ी संख्या में पुरुषों और महिलाओं ने शराब का सेवन करने पर सहमति व्यक्त की, वहीं 68 महिलाओं और 668 पुरुषों ने शराब का सेवन करने से इनकार कर दिया है।

महिलाओं की संख्या 0.3 प्रतिशत तक बढ़ी

द टाइम्स ऑफ इंडिया ने बताया कि दो डेटा सेटों की तुलना से पता चलता है कि साल 2015 में, केवल 0.1 फीसदी शहरी महिलाओं ने शराब का सेवन करने पर सहमति व्यक्त की थी, लेकिन यह संख्या बढ़कर 0.3 फीसदी हो गई। 2015 में 10.6 फीसदी पुरुषों ने कहा कि वे शराब का सेवन करते हैं जो अब साल 2020 में भी यही संख्या घटकर 4.6 प्रतिशत पर आ गई। ग्रामीण क्षेत्रों में, शराब का सेवन करने वाली महिलाओं की फीसदी 2015 से 2020 तक बढ़कर 8 फीसदी हो गई है। पुरुषों के मामले में यह संख्या 11.4 फीसदी से 6.8 फीसदी नीचे गिर गई है।समाजशास्त्री गौरांग जानी के अनुसार, 'राज्य के कई समुदायों के बीच शराब पीने का गहरा संबंध है। यह इन समुदायों में एक रिवाज है, जहां पुरुष और महिलाएं दोनों एक साथ बैठते हैं और विशेष अवसरों पर पीते हैं।

बर्ड फ्लू ने भारत के 10 राज्यों को अपनी चपेट में लिया, बढ़ रहे हैं लगातार मामले

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

केंद्र सरकार ने सोमवार को कहा कि अब तक देश के 10 राज्यों में बर्ड फ्लू प्रकोप की पुष्टि हो चुकी है। साथ ही जलाशयों, जीवित पक्षियों के बाजार, मुर्गी पालन केंद्रों और चिड़ियाघरों के आसपास निगरानी बढ़ाने पर जोर दिया गया है। पशुपालन एवं डेयरी विभाग ने एक बयान में कहा, 11 जनवरी 2021 तक देश के 10 राज्यों में एवियन इन्फ्लूएंजा की पुष्टि हो चुकी है। दस जनवरी तक सात राज्यों केरल, राजस्थान, मध्यप्रदेश, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, गुजरात और उत्तर प्रदेश में बर्ड फ्लू के प्रकोप की पुष्टि हुई थी।

वहीं, सोमवार को दिल्ली, उत्तराखंड और महाराष्ट्र में भी इस वायरस संक्रमण की पुष्टि की गई है। राज्यों को जनता के बीच जागरूकता फैलाने और फर्जी सूचनाओं के प्रसार की रोकथाम के निर्देश दिए गए हैं। बयान के मुताबिक, राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों को जलाशयों, जीवित पक्षी बाजारों, मुर्गी पालन केंद्रों और चिड़ियाघरों आदि के आसपास निगरानी बढ़ाने का अनुरोध किया गया है।

साथ ही मृत पक्षियों को प्रोटोकॉल के तहत दफनाने और मुर्गी पालन केंद्रों में पक्षियों की सुरक्षा को लेकर अधिक ध्यान देने का आग्रह किया गया है। केंद्र ने पक्षियों को मारने की कार्रवाई के लिए राज्यों को पर्याप्त संख्या में पीपीई किट और अन्य आवश्यक उपकरणों का भंडारण सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया है। इसने राज्य के पशुपालन विभागों से कहा है कि वे बीमारी की स्थिति पर करीबी निगरानी और मनुष्यों में बीमारी के संचरण की किसी भी आशंका से बचाव के वास्ते स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ प्रभावी संचार और समन्वय सुनिश्चित करें।

किसान आंदोलन : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बोले, भाजपा की वजह से देश खाद्य संकट की ओर बढ़ रहा है

राणाघाट। (एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि तीन नये कृषि कानूनों को वापस लेने की मांग को लेकर चल रहे किसानों के आंदोलन के संबंध में भाजपा के 'अड़ियल' रवैये की वजह से देश खाद्य संकट एवं सूखे की ओर बढ़ रहा है। ममता ने कहा कि दूसरे राजनीतिक दलों के 'बेकार' नेताओं को शामिल करके भाजपा 'कबाड़' पार्टी बन रही है। उन्होंने सीएए, एनआरसी और एनपीआर के प्रति विरोध जताया और नदिया जिले की मतुआ आबादी का हवाला देते हुए कहा कि सभी शरणार्थियों को भूमि का अधिकार दिया जाएगा और कोई उन्हें देश से बाहर नहीं कर सकता। जिले में इस समुदाय की आबादी करीब 40 फीसदी है।

उन्होंने कहा, ''देश खाद्य संकट की ओर बढ़ रहा है। अगर भाजपा कृषि कानूनों पर अड़ी रही तो हमारे देश में खाद्यान्न की कमी आ जाएगी। केंद्र इन कानूनों के जरिए देश में सूखे की स्थिति पैदा करने का प्रयास कर रही है। किसान हमारे देश की पूंजी हैं और हमें ऐसा कुछ नहीं करना चाहिए जो उनके हितों के विरुद्ध हो।'' तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष ने तीनों कृषि कानूनों को तत्काल वापस लिये जाने की भी मांग की। दिल्ली की सीमाओं पर प्रदर्शन कर रहे किसानों की भी यही मांग है। उन्होंने नदिया जिले के राणाघाट में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा, ''हम किसानों और उनकी मांगों के साथ हैं। एक तरफ भाजपा किसानों को लेकर हमें भाषण दे रही है और दूसरी तरफ यह कृषि कानूनों का विरोध कर रहे किसानों को प्रताड़ित कर रही है। हरियाणा और पंजाब में कई किसानों को पीटा गया।'' उन्होंने कहा, ''भाजपा देश की सबसे बड़ी कबाड़ पार्टी है। यह कचरा पार्टी है जो दूसरे दलों के भ्रष्ट और बेकार नेताओं से खुद को भर रही है।''

ममता बनर्जी ने कहा, ''आपने कुछ (तृणमूल) नेताओं को भाजपा में जाते देखा होगा। उन्होंने लूटे हुए जनता के धन को बचाने के लिए ऐसा किया। भाजपा वाशिंग मशीन की तरह पार्टी को चलाती है, जहां भ्रष्ट नेता उसमें शामिल होते ही संत बन जाते हैं।'' मुख्यमंत्री ने देश में आभाषी तानाशाही होने का आरोप लगाते हुए कहा कि भगवा दल धन या बाहुबल का उपयोग दूसरे दलों के नेताओं को अपने साथ मिलाने के लिए कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया, वे (भाजपा) मुझसे डरे हुए हैं क्योंकि मैंने उनके सामने घुटने नहीं टेके।

नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) पर निशाना साधते हुए बनर्जी ने कहा कि राज्य की सभी शरणार्थी कालोनियों को पश्चिम बंगाल सरकार ने नियमित कर दिया है। प्रत्येक शरणार्थी परिवार को भूमि अधिकार प्रदान किया गया है। हमने इस संबंध में प्रक्रिया शुरू की है और कई परिवार इसका लाभ उठा चुके हैं। मतुआ समुदाय को लेकर उन्होंने कहा, आपको कोई यहां से नहीं हटा सकता। आप यहां पैदा हुए हैं और इस देश के नागरिक हैं। आपको अपनी नागरिकता साबित करने के लिए भाजपा के प्रमाणपत्र की आवश्यकता नहीं है। मैं आश्वस्त करना चाहती हूं कि आपको सीएए, एनआरसी और एनपीआर से डरने की जरूरत नहीं है। पूर्वी पाकिस्तान से संबंध रखने वाले मतुआ समुदाय के लोग बांग्लादेश के गठन के बाद पश्चिम बंगाल के हिस्सों में आ गए थे। इनमें से कई ने भारत की नागरिकता प्राप्त कर ली है जबकि काफी संख्या में इस समुदाय के लोगों के पास नागरिकता नहीं है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अन्य राज्यों से भाजपा नेता पैसों से भरा बैग ला रहे हैं। अगर ये आपको पैसे की पेशकश करें तो आप ले लें लेकिन इनके लिए एक भी वोट नहीं डालें। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं और हाल ही में अमेरिकी संसद भवन कैपिटल हिल में हिंसा करने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समर्थकों की तुलना करते हुए कहा, ''जिस दिन भाजपा चुनाव हारेगी तो उसके कार्यकर्ता और समर्थक भी इसी तरह का बर्ताव करेंगे।'' इस बीच, बनर्जी के आरोपों पर पलटवार करते हुए बंगाल की भाजपा इकाई के अध्यक्ष दिलीप घोष ने कहा कि तृणमूल के नेता भी समझ गए हैं कि अब उनकी सरकार के गिने दिन बचे हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौया द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)